राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 04 जुन 2022 वर्ष-5,अंक-129 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रियंका गांधी को भी हुआ कोरोना, UP में नव संकल्प शिविर में हुई थी शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी कोरोना वायरस संक्रमण का शिकार हो गई हैं। हाल ही में वह उत्तर प्रदेश में आयोजित नव संकल्प शिविर में शामिल हुई थी। फिलहाल, उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। अब उनके वायरस से संक्रमित होने के चलते चिंताएं बढ़ गई हैं और मीटिंग में शामिल अन्य नेताओं के भी संक्रमित होने का डर है। गुरुवार को ही अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी कोविड-19 होने की बात सामने आई थी। प्रियंका राजधानी लखनऊ में हो रहे नव संकल्प शिविर से भी जल्दी वापस चली गई थी। खबर है कि बुधवार रात वह सड़क मार्ग से दिल्ली के निकल गई थी। हालांकि, उस दौरान उनकी वापसी का का कारण नहीं बताया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनिया गांधी के कोविड संक्रमित होने की खबर के बाद वह दिल्ली रवाना हुई थी।

ED के सामने पेश होंगी सोनिया-कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, हालांकि वह आठ जून को नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित धनशोधन के आरोपों की जांच के सिलसिले में श्वष्ठ के समक्ष पेश होंगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने गुरुवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। सुरजेवाला ने बताया, %कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पिछले सप्ताह से नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात कर रही थीं। इनमें से कुछ लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। कांग्रेस अध्यक्ष को भी बुधवार की शाम हल्का बुखार आया और कोविड के कुछ अन्य लक्षण दिखे जिसके बाद जांच कराई गई। जांच में उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने का पता चला। उन्होंने यह भी कहा, कांग्रेस अध्यक्ष आठ जून को ईडी के समक्ष पेश होंगी,

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी को ED का नया समन, 13 जून को पेशी का आदेश

नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के लिए नया समन जारी किया है।उन्हें अब 12 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पहले 2 जून के लिए समन जारी किया गया था।

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के लिए नया समन जारी किया है।उन्हें अब 12 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इससे पहले जारी किए गए समन में उन्हें 2 जून को ही बुलाया गया था, लेकिन वह विदेश दौरे पर होने के चलते पेश नहीं हुए थे। राहुल गांधी के अलावा उनकी मां और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी समन जारी किया गया है। उन्हें केंद्रीय एजेंसी ने 8 तारीख को दिल्ली स्थिति दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया है। सोनिया गांधी फिलहाल कोरोना संक्रमित हैं, लेकिन कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि वह भी 8 जून को पेशी के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी 5 जून को भारत लौट सकते हैं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन जारी किए जाने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। समन के बारे में जानकारी देते हुए कांग्रेस के सीनियर नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि हम डराने और धमकाने की कार्रवाई के आगे झुकने वाले नहीं हैं।

प्रियंका को भी हुआ कोरोना, क्र में नव संकल्प शिविर में हुई थी शामिल

राहुल गांधी ने ईडी को लिखा था कि वह विदेश दौरे पर हैं। इसलिए उन्हें पेशी के लिए नई तारीख दी जाए। उनकी लिखित मांग के बाद यह नई तारीख दी गई है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी 5 जून को भारत लौट सकते हैं। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन जारी किए जाने पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। समन के बारे में जानकारी देते हुए कांग्रेस के सीनियर नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि हम डराने और धमकाने की कार्रवाई के आगे झुकने वाले नहीं हैं। अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने 2015 में इस मामले को बंद कर दिया था, लेकिन केंद्र सरकार ने उन अधिकारियों को हटा दिया और नए अफसरों को लाकर केस खुलवाया गया है। यही नहीं उनका कहना था कि इस मामले में मनी लॉन्ड्रिग के तहत ईडी जांच कर रही है, जिसका कोई आधार

राहुल गांधी के अलावा उनकी मां और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी समन जारी किया गया है। उन्हें केंद्रीय एजेंसी ने 8 तारीख को दिल्ली स्थिति दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया है। सोनिया गांधी फिलहाल कोरोना संक्रमित हैं,

नहीं है। सिंघवी का कहना था कि इस केस में संपत्ति या फिर पैसे का कोई ट्रांसफर नहीं हुआ है। ऐसे में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच का कोई आधार ही नहीं बनता।

सिद्धू मूसेवाला को लगी थीं 19 गोलियां, 15 मिनट में ही हो गई मौत

चंडीगढ़। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने उनके शरीर पर 19 गोलियां मारी। इससे 15 मिनट में ही उनकी मौत हो गई। आपको बता दें कि 29 मई रविवार को पंजाब के मनसा जिले में 28 वर्षीय मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शव परीक्षण करने के बाद पांच डॉक्टरों के एक पैनल ने उनकी मृत्यु का कारण निकाला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया कि मौत की वजह हथियार की वजह से घायल होने के बाद रक्तस्राव है और ये चोटें सामान्य तौर पर मृत्यु के लिए पर्याप्त होती हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक मूसेवाला के शरीर के दाहिने हिस्से में अधिकतर गोलियां मिली हैं। मूसेवाला के शव का एक्स रे भी कराया गया ताकि पता लगाया जा सके कि गोली कितनी दूरी से मारी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि मूसेवाला का लाल रंग का टी शर्ट और पैजामा खून से सना था और उनमें गोलियों की वजह से कई छेद बने थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि गोलियां उनके गुर्दे, लीवर, फेफड़े और रीढ़ पर लगी थीं और संभवत- घायल होने के 15 मिनट के भीतर उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार पूरे शरीर का एक्स-रे कराया गया। इसमें कहा गया है कि मूसेवाला की टी-शर्ट और पजामा खून से लथपथ पाया गया और उनकी चोटों के अनुरूप कई छेद थे। पंजाब सरकार द्वारा गायक-राजनेता की सुरक्षा रद्द किए जाने के कुछ दिनों बाद अज्ञात बंदूकधारियों ने मानसा के जवारहरके गांव में मूसेवाला पर घात लगाकर हमला किया और उनकी थार कार पर गोलियों की बौछार कर दी। एएन-94 असॉल्ट राइफल सहित कम से कम तीन हथियारों का इस्तेमाल किया गया। घटनास्थल से गोलियों के 30 खाली खोखे बरामद किए गए। कनाडा स्थित गैंगस्टर और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य गोल्डी बरार ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली। पुलिस ने कहा कि गायक की हत्या पिछले साल हुई अकाली नेता विक्की मिद्दुखेड़ा की हत्या के प्रतिशोध में प्रतीत होती है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहले इस घटना की जांच के लिए उच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की थी।

फिट इंडिया और अपने स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाना आवश्यक -किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विश्व साइकिल दिवस पर मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से राष्ट्रव्यापी फिट इंडिया फ्रीडम राइडर साइकिल रैली शुरू की। उन्होंने कहा, आज दुनिया के बड़े बड़े शहरों में लोग गाड़ी छोड़कर साइकिल का रूख कर रहे हैं। लोग पर्यावरण को बचाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश का दौरा करने वाले हैं जहां वह कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ पहुंचेंगे जहां वे यूपी इन्वेस्टर्स समिट के 3.0 बजे ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में शामिल होंगे। दोपहर करीब 1:45 बजे प्रधानमंत्री कानपुर के परौंख गांव पहुंचेंगे, जहां वह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ पथरी माता मंदिर जाएंगे। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे वे डॉ बीआर अंबेडकर भवन जाएंगे, जिसके बाद दोपहर 2-15 बजे मिलन केंद्र का दौरा करेंगे। वहीं राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 3 से 6 जून, 2022 तक उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे, राष्ट्रपति सचिवालय ने गुरुवार को इसकी

जानकारी दी। 3 जून 2022 को राष्ट्रपति कानपुर देहात में अपने पैतृक गांव परौंख का दौरा करेंगे जहां वह एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मौके पर कहा- आज विश्व साइकिल दिवस है इसलिए हज़ारो की संख्या में लोग जुटें और साइकिल चलाया लेकिन वैसे भी लोगों को साइकिल चलाना चाहिए। मौका मिलने पर मैं भी चलाता हूं। फिट इंडिया और अपने स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलाना आवश्यक है। साइकिल के प्रयोग पर बल देते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा- इससे आप स्वस्थ भी रहेंगे, प्रदूषण भी नहीं फैलाएंगे, ईंधन की खपत भी नहीं करेंगे और खेलो इंडिया को बढ़ावा भी देंगे। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में साइकिल लेन बने, सुविधाओं का जो अभाव है उसमें सुधार हो ताकि साइकिल के साथ और लोग जुड़ें।

विश्व साइकिल दिवस पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा- विश्व साइकिल दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को देश के कोने-कोने तक पहुंचाना चाहते हैं। फिट इंडिया, खेलो इंडिया, क्लीन इंडिया और स्वस्थ भारत सभी मुहिमों को साइकिल से ही पूरा किया जा सकता है।

बिहार के बाद महाराष्ट्र में जातिगत जनगणना की मांग, CM उद्धव ठाकरे से मिलेगी NCP

मुंबई। प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने पत्रकारों से कहा कि NCP इस मुद्दे पर ठाकरे से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील करेगी। शरद पवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। बिहार में जारी चर्चाओं के बीच महाराष्ट्र में भी जातिगत जनगणना की मांग उठने लगी है। खबर है कि राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इस मांग को लेकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात करने की तैयारी कर रही है। इधर, बिहार में सीएम नीतीश कुमार की अगुवाई में हुई सर्वदलीय बैठक में जातिगत जनगणना को सहमित मिल गई है।

राकंपा ने अलग-अलग समुदायों के सामाजिक स्तर का पता लगाने के लिए जातिगत जनगणना की मांग उठाई। प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने पत्रकारों से कहा कि एनसीपी इस मुद्दे पर सीएम ठाकरे से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील करेगी। उन्होंने बताया कि शरद पवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है।

बिहार में क्या है ताजा स्थिति

बिहार मंत्रिपरिषद ने जाति आधारित गणना को मंजूरी प्रदान करते हुए इसके लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया और सर्वेक्षण पूरा करने के लिए 23 फरवरी की समय सीमा निर्धारित की। मुख्यमंत्री कुमार की अध्यक्षता में संपन्न मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए मुख्य सचिव अमीर सुबहानी ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अपेक्षित अधिसूचना जारी होते ही काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जातियों के सर्वेक्षण के लिए सामान्य प्रशासन विभाग नोडल प्राधिकरण होगा तथा अधिसूचना जल्द से जल्द जारी की जाएगी।

देश के कई राज्यों में हीटवेव, होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार (3 जून) को राष्ट्रीय राजधानी में हल्की बारिश के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने की भविष्यवाणी की है। मौसम कार्यालय ने यह भी कहा कि इस सप्ताह शहर में लू की संभावना नहीं है, लेकिन दिल्ली में अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अरब सागर से मानसूनी पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के तहत, मौसम कार्यालय ने तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल, माहे और लक्षद्वीप में और अगले पांच दिनों में काफी व्यापक वर्षा की भविष्यवाणी की है। इसने अगले पांच दिनों के दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी

और कराईकल में छिटपुट बारिश की भी भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने अगले 5 दिनों में बिहार, झारखंड, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में गरज के साथ छिटपुट बारिश की भी भविष्यवाणी की है।

भारत में हीटवेव-आईएमडी ने उत्तर पश्चिमी भारत में बढ़ती लू की स्थिति की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा, 2 जून और 3 जून को राजस्थान में अलग-अलग स्थानों में लू की स्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही दक्षिण पंजाब, दक्षिण हरियाणा, दक्षिण उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में 3 जून और 4 जून को और विदर्भ में 2 जून से 5 जून के दौरान लू चलने की संभावना है।

झारखंड के कई इलाके में चली आंधी, मेघ गर्जन के साथ वज्रपात

झारखंड के कई इलाके में गुरुवार को आंधी चली। इसके साथ ही मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राज्य के धनबाद, देवघर, गिरिडीह, दुमका, जामताड़ा और इसके आसपास के इलाके में दोपहर में मेघ गर्जन, वज्रपात के साथ वर्षा हुई। मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि अभी दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश में साइक्लोनिक सरकुलेशन कायम है, जिस कारण यूपी से गर्म हवा का बहाव झारखंड की ओर हो रहा है। वहीं, राज्य में निचले स्तर पर गर्मी की स्थिति बनी हुई है, वहीं बंगाल की खाड़ी से नम हवा का बहाव भी हो रहा है। यूपी की ओर से आ रही गर्म हवा और बंगाल की खाड़ी की ओर से आ रही नम हवा के मिलन से गरजने वाले बादल बन रहे हैं। इसके साथ तेज हवा के बहाव की भी स्थिति बन रही है। इसी वजह से उत्तर पूर्वी भाग के जिलों में दोपहर के बाद कई जगह पर 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। इसको लेकर मौसम केंद्र की ओर से ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया था।

भारत की तुलना में दूसरे देशों में ज्यादा महंगाई की मार, पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर बोले केंद्रीय मंत्री पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वर्तमान में भारत की तुलना में दूसरे देश अधिक मुद्रास्फीति का सामना कर रहे हैं। ईंधन की ऊंची कीमतों पर सवाल पर केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने कहा, ÷दूसरे बड़े देशों की अर्थव्यवस्थाएं द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे तेज मुद्रास्फीति और जीवन स्तर में तेज गिरावट का सामना कर रही हैं। हम ऐसी स्थिति में हैं जहां कीमतों को उसी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं जो हमारे दायरे में हैं। केवल कुछ हद तक ही कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है और नागरिकों को राहत दी सकती है।

पुरी ने कहा कि खुदरा ईंधन बेचने वाली कंपनियों ने सरकार से इस मामले में संपर्क कर राहत मांगी है। हालांकि, उन्होंने तपाक से यह भी कहा कि कीमत तय करने के बारे में कंपनियों को फैसला करना है। उन्होंने इस रिपोर्ट पर कुछ भी कहने से मना कर दिया कि निजी पेट्रोलियम रिफाइनरी कंपनियां रूस से सस्ती दर पर कच्चा तेल आयात कर तथा तैयार पेट्रोलियम उत्पाद अमेरिका को निर्यात कर अच्छा-खासा मुनाफा कमा रही हैं। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा के दाम में तेजी से तेल एवं गैस कंपनियों के अत्यधिक लाभ पर कर लगाने के बारे में निर्णय के लिए वित्त मंत्रालय उपयुक्त प्राधिकरण है।

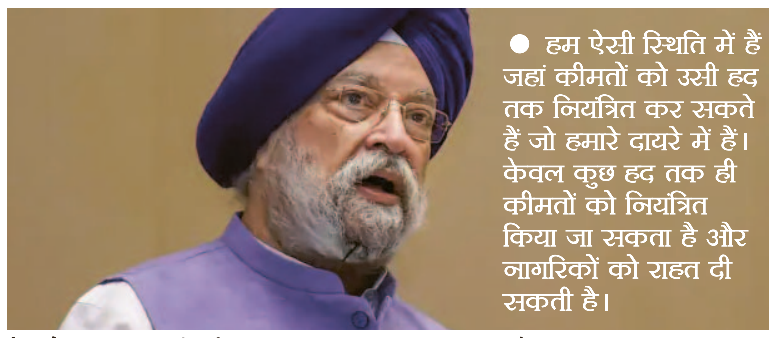

ईंधन की 85 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल के आधार पर बिक्री

घरेलू पेट्रोल पंपों पर ईंधन को 85 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल के मानक के आधार पर बेचा जा रहा है। जबकि ब्रेंट क्रूड फिलहाल 113 डॉलर प्रति बैरल पर है। इससे लागत और बिक्री मूल्य में अंतर है, जिससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। दो जून की स्थिति के अनुसार उद्योग को पेट्रोल पर प्रति लीटर 17.1 रुपये व डीजल पर 20.4 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा था। मंत्री ने कहा कि पेट्रोलियम कंपनियां नुकसान की बात कर रही हैं। जैसा कि मैंने कहा कि वे एक जिम्मेदारी कॉरपोरेट नागरिक हैं और जो भी जरूरी निर्णय होगा, वे लेंगे।

अप्रैल से ईंधन के दाम नहीं बढ़े

तेल के दाम में तेजी के बावजूद सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) अप्रैल से ईंधन के दाम नहीं बढ़ाए हैं। यह सिलसिला पिछले 57 दिन से चल रहा है। पिछले महीने सरकार ने पेट्रोल पर आठ रुपये और डीजल पर छह रुपये प्रति लीटर का उत्पाद शुल्क घटाया। इस कटौती का लाभ ग्राहकों को दिया गया। इसे पेट्रोलियम कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई में समायोजित नहीं किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियां नुकसान के बाद भी कामकाज कर रही हैं, जबकि रिलायंस-बीपी और नायरा एनर्जी जैसी निजी कंपनियों ने हानि को कम करने के लिये परिचालन में कटौती की हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। - हरिवंश राय बच्चन

संपादकीय

हादसों की सड़क

यह विडंबना ही है कि हर साल सड़क दुर्घटनाओं में लाखों लोग यूं ही जीवन गंवा देते हैं और बड़ी संख्या में जीवनभर के लिये अपंग हो जाते हैं। जान-माल की व्यापक क्षति के बावजूद इस दिशा में कोई गंभीर पहल होती नजर नहीं आती। भारत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में औसतन करीब चार सौ लोग रोज मौत के मुंह में चले जाते हैं। इसके बावजूद यात्रियों व चालकों की सुरक्षा केंद्र सरकार व राज्य सरकारों की पहली प्राथमिकता नहीं है। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि छोटे-छोटे मुद्दों पर आसमान सिर पर उठा लेने वाले राजनीतिक दल भी इस भयावह स्थिति के प्रति गंभीर नजर नहीं आते। विडंबना यह भी कि यह मामला कभी चुनावी मुद्दा भी नहीं बनता। मंगलवार को उत्तर प्रदेश के बरेली में एक एंबुलेंस व ट्रक की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई। दुखद ही है कि किसी के जीवन की रक्षा के लिये एंबुलेंस से जा रहे लोगों को जीवन के बदले मौत मिली। ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब कोई बड़ी सड़क दुर्घटना में लोग बेमौत न मारे जाते हों। दुखद यह भी है कि मरने वाले लोग निर्दोष होते हैं और किसी दूसरे व्यक्ति की लापरवाही का खमियाजा भुगतते हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि इन हादसों में मरने वालों में अधिकांश लोग कर्मशील आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और काम-धंधों के लिये घर से निकले होते हैं। हाल ही में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी की गई 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं-2020' रिपोर्ट कई चौंकाने वाले खुलासे करती है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2020 में हुई कुल सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों का 87 प्रतिशत हिस्सा 18 से 60 वर्ष के लोगों का है। यह आयु वर्ग देश के कामकाजी आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है। निस्संदेह, इस कामकाजी आबादी पर आश्रित लोगों का जीवन भी इनकी मौत से संकटग्रस्त हो जाता है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाली बात यह है कि इन 70 फीसदी सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की वजह ओवर स्पीडिंग रही है। वहीं गलत दिशा में गाड़ी चलाने से होने वाली मौतों का प्रतिशत पांच रहा है। हालांकि वर्ष 2019 के मुकाबले 2020 में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और मौतों के प्रतिशत में कमी आई है। लेकिन ऐसा नहीं कि सुरक्षा के मापदंड बेहतर होने से यह कमी आई है। उल्लेखनीय है कि यह वह समय था जब कोरोना महामारी के दौरान संक्रमण रोकने के लिये देश में सख्त लॉकडाउन लगाया गया था। इस दौरान यातायात की आवाजाही पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया था। वहीं एक महत्वपूर्ण बात यह भी कि ये सड़क दुर्घटनाएं मौसम की खराबी व दृश्यता कम होने की वजह से नहीं हुई हैं। विडंबना यह है कि 72 फीसदी से अधिक दुर्घटनाएं तथा 67 फीसदी से अधिक मौतें धूप व साफ मौसम के बीच हुई हैं। निस्संदेह, यह इस बात का संकेत है कि तमाम दुर्घटनाएं लापरवाही से गाड़ी चलाने के विनाशकारी परिणामों को दर्शाती हैं। दरअसल, अपनी लेन में गाड़ी चलाने के प्रति चालक गंभीर नहीं रहते। बेहद लापरवाही से ओवरटेक करने की कोशिश आम बात है जिसका परिणाम गंभीर सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आता है। कुल मिलाकर हमारी सड़क के नियमों का पालन न करने तथा गैरजिम्मेदार ढंग से वाहन चलाने की प्रवृत्ति को ही दर्शाता है। इस निराशा के वातावरण के बीच एक आशा की किरण यह है कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित समाधानों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

आज के कार्टुन

विश्वास

सद्गुरु

मान लेते हैं कि मेरी नजर ठीक नहीं है-मैं साफ तौर पर नहीं देख सकता-और मुझे लोगों के एक दल के बीच से निकलना है। पर मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं। अगर मैं उनके बीच से निकलूंगा तो क्या होगा? बहुत से लोग इसी तरह अपने जीवन से गुजर रहे हैं क्योंकि वे विश्वास से भरपूर हैं। अगर मेरी नजर ठीक होगी, तो मैं पूरे दल को छुए बिना आराम से गुजर सकता हूं। अगर मेरी नजर साफ न हो और मेरे पास यह मानने का विनय हो कि मैं स्पष्ट नहीं देख सकता, तो मैं किसी की मदद ले कर, थोड़ी धीरे चलूंगा। जब भी आप जीवन में कोई महत्त्वपूर्ण निर्णय लेना चाहें; चाहे वह पेशेवर हो या परिवार से संबंधित, बस आप यही करते हैं, 'अगर सिक्का उछालने पर हेड आया तो यह करेंगे, अगर टेल आया तो वह करेंगे।' यह तरीका केवल पचास प्रतिशत ही काम करेगा। अगर आप हमेशा पचास प्रतिशत तक ही सही होना चाहते हैं, तो आप केवल दो ही काम कर सकते हैं-आप मौसम विज्ञानी या ज्योतिषी हो सकते हैं। आप किसी दूसरी नौकरी में हैं, तो आपको काम से निकाला जा सकता है। हम जीवन को किसी खास रूप में घटने देना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको इस बारे में स्पष्ट करना होगा कि हम सही मायनों में क्या चाहते हैं। इसे रचने में सादे अभ्यास भी लंबी दूरी तक जा सकते हैं। हर सुबह, जब आप सोकर उठें, तो बिस्तर पर आलथी-पालथी लगा कर बैठें, अपने हाथ खोल लें, आंखें बंद हों और उन सब चीजों को देखें जो आप नहीं हैं। आपने जो भी संग्रह किया है, उसे सराहें-आपका घर, परिवार, आपके संबंध, शिक्षा, शरीर, कपड़े-सब कुछ। उनके लिए आभार प्रकट करें। इसके साथ ही उन बातों को पहचानें जो आप नहीं हैं, 'यह वह सब है जो मैंने जमा किया है।' फिर उसे मानसिक तौर पर एक ओर रख दें। जो आपने संग्रह किया, वह आपका हो सकता है, पर कभी आप नहीं हो सकते। हर रोज सुबह और शाम को दस मिनट का समय दें। इस तरह आपको स्पष्टता मिलेगी। अगर किसी को गुरू से सही तरह से दीक्षा मिले तो यह प्रक्रिया नये आयाम तक जा सकती है। पर जब तक आपके जीवन में ऐसा कोई अवसर नहीं आता, तब तक आप स्वयं इसे कर सकते हैं। यह निश्चित तौर पर आपकी स्पष्टता पर गहरा असर डालेगी।

फलो का राजा आम

(लेखक - विष्णु अग्रवाल)

हमारे भारत वर्ष में कई प्रकार के फल पाये जाते है जैसे केला, पपीता, तरबूज, अंगूर, सेब, लीची, खरबूजा, आदि लेकिन आम को ही भारतवर्ष में फलों का राजा कहा जाता है भारत सरकार द्वारा आम को राष्ट्रीय फल भी घोषित किया गया है। आम की खेती भारतवर्ष में हजारों वर्ष से हो रही है आजादी के बाद भारत सरकार द्वारा अन्य फलों की तरह आम की खेती पर भी राष्ट्रीय आम अनुसंधान केन्द्र कई जगह बनाये उसके परिणाम भी अच्छा मिला है कि आज भारतवर्ष में 500 से अधिक प्रजातियों के आम पैदा होते है। भारतवर्ष के कई राज्य आम की खेती के मामले में आगे है। आमों की पैदाबार में उ0प्र0 नं. 1 पर है जहां पर 25 से 25 प्रतिशत आम पैदा होता है। आन्धप्रदेश में 20 प्रतिशत तक आम पैदा होता है। कर्नाटक में 10 प्रतिशत, तेंलगाना में 8 प्रतिशत, बिहार में 9 प्रतिशत छत्तीसगढ़ मे 7 प्रतिशत मध्यप्रदेश के जबलपुर सतना में 2 प्रतिशत आम पैदा होता है।

विश्व के कुल आम उत्पादन 56 प्रतिशत भारतवर्ष में होता है। 24 लाख हैक्टर भारतीय क्षेत्र में आम की फसल होती है। 30 से 40 प्रतिशत दशहरी आम पैदा होता है। कई बार बेमौसम वारिश और आला वृष्टि से आम उत्पादन पर गिरावट आ जाती है।

भारतवर्ष में कई प्रजातियों के आम पाये जाते है। जों निम्न है। - अल्फासों, लगडा, नीलम, मल्लिका, चैसा, अम्रपाली, स्वर्णरेखा, दशहरी, गुलावखास आदि भारतवर्ष आम के पेड़ को पूज्यनीय माना जाता है। आम के पेड़ की व पत्तो की पूजा की जाती है।

आजकल बाजार में विक रहा मीठा रसीला आम आपकी सैहत को बिगाड़ सकता है। बाजार में आने से पहल आम पेड़ो पर नहीं बल्कि गोदाम में कैल्सियम कर्वाईट से पकाये जाते है जो सैहत को काफी नुकसान पहुचातें है। भारत में खाद्य सुरक्षा कानूनों के तहत कार्वाईड से आमों को पकाना प्रतिबधं है। फिर भी मुनाफे के लालच में व्यापारी लोग आम को कैलिसयम कार्वाइड से पकातें है। कार्वाइड़ से आम पकाने की प्रक्रिया के दौरान एसिटिलीन नामक गैस बनती ह। जो शरीर के लिए जहर का काम करती है। ग्ददार देश चीन से चोरी छिपे कई देशों में प्रतिबधं एथलीन राइपनर परवडर से आजकल आमों को पकाया जाता है। एथलीन राइपनर से आम में मौजूद विटामिन ''ए'' के गुण भी खत्म हो जाते है। इस पावडर से पके आम खाने वालों के शरीर में कई गभींर बीमारियों जैसे कैंसर व कीडनी से सम्बन्धित होने की सभावना रहती है।

भारतवर्ष के द्वारा आमों का निर्यात अरब देशो को तथा यूरोपीय में काफी होता हैं पिछले वर्ष यूरोपीय सद्यं द्वारा अल्फासों आम के आयात पर प्रतिबधं लगा दिया गया था इससे भारतवर्ष मे आम निर्माताओं को काफी नुक्सान उठाना पडा था। इस वर्ष उद्योग सगंठनो की पहल कपर युरापीयों सद्यं ने आमों पर से प्रतिबधं हटा दिया गया है।

विदेशों में भारतीयों अल्फासों आम की काफी डिमाण्ड़ है वहां पर यें आम 500 से 600 प्रति किलों के हिसाब से विकता है। कलीम उल्लह खां पदमश्री प्राप्त की है। लखनऊ उ0प्र0के नई सड़क मलिया बाग मे अब्दुला नर्सरी है। कलीम उल्लाह खां द्वारा अपने बाग में एक पेड़ में 300 तरह का अलग-अलग तरह को आम पैदा किया है।उसको स्वंय हमने अपनी आंखो से देखा गया है।

भारतवर्ष के अलावा पाकिस्तान आमों का निर्यात करता है। और पाकिस्तान द्वारा कई देशों उमें भी आम निर्यात किये जाते है। इस वर्ष उ0प्र0 में 44 लाख टल आम उत्पादन होने की संभावना है।

भारतवर्ष इस वर्ष 185 लाख टन आम देश में आम उत्पादन होने की सभावना हैं जबकि पाकिस्तान में 60 हजार टन के आसपास आम पैदा होने की सभांवना है। भारत सरकार द्वारा फलों की खेती तथा अनुसंधान पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हाईवे बनाने के नाम पर लाखों आम के पेडों को काट दिया गया है हजारों टन फल आम समय पर दूसरे देशों एवं राज्यों में न पहुचनें के कारण सड़ जातें है। इसकी कीमत बागान मालिकों को चुकानी पड़ती है। आज भी कई बागान मालिकों कर्जो में दबे पड़े है। तथा उन्होने आत्म हत्या भी करली है। लेकिन भारत सरकार की खोखली नीतीयों के कारण वह सब विवश है। एक आम को पेड़ 100 साल औसतन आयु होती है। 1250 क्विंटल आम और 60000 की लकड़ी एआम के पेड़ से कमलती है। 25000 टन इजाफा ग्रीन हाउस गैसों से होता है। हर साल होली में 100 किलो आम की लकडी जल जाती है। एक वृक्ष जीवनभर और छाया देता है। और दो टन कार्वन सोखता हैं। आम ज्यादातर लोगों को पसन्द होता हैं। गर्मी में आने वाला यह ऐंसा फल है। जो लू और इस मौसम से जुड़ी दिक्कतों से राहत देने के साथ पोषक तत्वों की भी पूर्ति करता है। कच्चे आम में विटामिन सी ज्यादा रहता है। जितनी कि 35 सेब, 18 केले, 9 नीबू और 3 सतंरे में पाई जाती है। आम में इतने पोषक तत्व पाए जाते है, जिनसे कई सारी बीमारियों में आराम मिल सकता है, साथ ही यह उच्च तापमान के नकारात्मक प्राभावों से भी हमें बचाता है।

आयुर्वेद में भी कच्चे आम की कई खूबीयों के बारे में बताया गया है। कच्चा आम में बिटामिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है। जिससे रक्त विकार को दूर किया जा सकता है। कच्चे आम में काफी मात्रा में फाईबर पाया जाता है। यह खासकर पेट से जुड़ी दिक्कतों जैसे एसिडिटि, पित्त की समस्या दूर करने के साथ वजनन भी नियंत्रित करने में मदद करता है। आम के वृक्ष की कोमल छाल ग्रही और प्रमेह, रक्त विकार, कफ पित एवं प्रण (घाव) का नाशक है आज की जड शीतल आरामदायक रूचि कारक कसेली तथा पित कफ का शमन करती है। आम के पत्ते कीटाणु नाशक खासी आदि विकारो को दूर करने में उत्तम है। गर्मी के दिनों में आप त्वचा को चमकदार व बेदाग बनाने की इच्छा रखते हो तो आम का सेवन खाने से पहले पानी में धोकर करें। आम बिटामिन ए, बी,एवं सी प्राकृतिक फूड एसिड (नाईट्रिक ऐसिड) और बीटा कैरोटीन पाया जाता है जो चेहरे में निखार लाता है इसके अलावा आम में शरीर को मजबूत रखने वाला कार्बोहाइडेऊट फाइबर, प्रोटीन, कैल्सियम और आयरन और पोटेशियम समेत अनेक पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मौजूद रहतें है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

श्रुत पंचमी/जिनवाणी पर्व

(4 जून दिगंबर जैन पर्व /लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

श्रुत पंचमी एक दिगंबर जैन पर्व है 7 यह प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। दिगंबर जैन परंपरा के अनुसार श्रुत पंचमी पर्व, ज्ञान की आराधना का महान पर्व है, जो जैन भाई-बंधुओं को वीतरागी संतों की वाणी सुनने, आराधना करने और प्रभावना बांटने का संदेश देता है। इस दिन मां जिनवाणी की पूजा अर्चना करते हैं।

मुनि पुंगव 108 सुधा सागर जी महाराज द्वारा इस दिन को जिनवाणी दिवस के रूप में मानने का सुझाव दिया हैं .अन्य नाम - ज्ञान पंचमी व ज्ञानामृत पर्व

श्रुतपंचमी का इतिहास

धवला टीका के रचयिता आचार्य वीरसेन स्वामी के अनुसार भगवान महावीर के मुख से श्री इन्द्रभूति (गौतम) गणधर ने श्रुत को धारण किया। उनसे सुधर्माचार्य ने और उनसे जम्बू नामक अंतिम केवली ने ग्रहण किया।

पश्चात 100 वर्ष में 1-विष्णु 2- नन्दिमित्र 3-अपराजित 4-गोवर्धन और 5-भद्रबाहु, ये पांच आर्चाय पूर्ण द्वादशांग के ज्ञाता श्रुतकेवली हुए।

तदनंतर ग्यारह अंग और दश पूर्वों के वेत्ता से ग्यारह आचार्य हुए- 1-विशाखाचार्य 2-प्रोष्ठिन 3-क्षत्रिय 4-जय 5-नाग 6-सिद्धार्थ 7-धृतिसेन 8-विजय 9-बुद्धिल 10-गंगदेव और 11-धर्म सेन। इनका काल 183 वर्ष है।

तत्पश्चात 1-नक्षत्र, 2-जयपाल, 3-पाण्डु, 4-ध्रुवसेन और 5-कंस ये पांच आर्चाय ग्यारह अंगों के धारक है। इनका काल 220 वर्ष है।

तदनन्तर 1- सुभद्र 2-यशोभद्र 3- यशोबाहु और 4- लोहार्य, ये चार आचार्य एकमात्र आचारंग के धारक हुए। इनका समय 11 वर्ष है। इसके पश्चात अंग और पूर्ववेत्तओं की परम्परा समाप्त हो गई और सभी अंगों और पूर्वों के एकदेश का ज्ञान आचार्य परम्परा से धरसेनाचार्य को प्राप्त हुए।

आचार्य धरसेन काठियावाड में स्थित गिरनार की चन्द्र गुफा में रहते थे। जब वे बहुत वृद्ध हो गए तब उन्होनें श्रुतज्ञान परंपरा को सतत बनायें रखने हेतु दो मुनिराज 'पुष्पदन्त' तथा 'भूतबलि' को श्रुतज्ञान प्रदान किया; इस ज्ञान के माध्यम से मुनिराजो ने छह खण्डों (जीवस्थान, क्षुद्रक बंध, बंधस्वामित्व, वेदना खण्डा, वर्गणाखण्ड, और महाबंध) की रचना की; जिस दिन भूतबलि आचार्य ने षटखण्डागम सूत्रों को पूर्ण रुप से ग्रंथ रूप में बद्ध किया;और ज्येष्ठ सुदी पंचमी के दिन चतुर्विध संघ सहित कृतिकर्मपूर्वक महापूजा की। उसी दिन से यह पंचमी श्रुतपंचमी नाम से प्रसिद्ध हो गयी। क्योंकि भगवान महावीर के दर्शन को पहली बार लिखित ग्रंथ के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इससे पूर्व भगवान महावीर की वाणी को लिखने की परंपरा नहीं थी। उसे सुनकर ही स्मरण किया जाता था इसीलिए उसका नाम 'श्रुत' था। इसी दिन से श्रुत परंपरा को लिपिबद्ध परंपरा के रूप में प्रारंभ किया गया।

श्रुत पंचमी के दिन जैन धर्मावलंबी मंदिरों में प्राकृत, संस्कृत, प्राचीन भाषाओं में हस्तलिखित प्राचीन मूल शास्त्रों को शास्त्र भंडार से बाहर निकालकर, शास्त्र-भंडारों की साफ-सफाई करके, प्राचीनतम शास्त्रों की सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें नए वस्त्रों में लपेटकर सुरक्षित किया जाता है तथा इन ग्रंथों को भगवान की वेदी के समीप विराजमान करके उनकी पूजा-अर्चना करते हैं, क्योंकि इसी दिन जैन शास्त्र लिखकर उनकी पूजा की गई थी।

श्रुत देवी

जैन परंपरा मे जिनवाणी के साथ देवता और भगवती शब्दों का प्रयोग मात्र आदर सूचक है सरस्वती (स+रस+वती अर्थात रस से परिपूर्ण प्रकृति) पद का प्रयोग मात्र जिनवाणी के रूप में हुआ है और उस जिनवाणी को रस से युक्त मानकर यह विशेषण दिया गया 7 जैनागम में जैनाचार्यो ने सरस्वती देवी के स्वरूप की तुलना भगवान की वाणी से की है .

इस दिन से श्रुत परंपरा को लिपिबद्ध परंपरा के रूप में प्रारंभ किया गया था। इसीलिए यह दिवस श्रुत पंचमी के नाम से जाना जाता है। श्रुत पंचमी के दिन जैन धर्मावलंबी मंदिरों में प्राचीन भाषाओं में हस्तलिखित प्राचीन मूल शास्त्रों को शास्त्र भंडार से बाहर निकालकर, शास्त्र-भंडारों की साफ-सफाई कर, शास्त्रों को नए वस्त्रों में लपेटकर सुरक्षित करते हैं।

इस पावन दिवस पर श्रद्धालुओं को श्री धवल महाधवलादि ग्रंथों को विराजमान कर श्रद्धा व भक्ति से महोत्सव के साथ उनकी पूजा-अर्चना विधि विधान से की जाती है और सिद्धभक्ति का पाठन किया जाता है। इस दिन जैन धर्म के लोग पीला वस्त्र धारण करके जिन वाणी की शोभा यात्रा निकालते हैं। इस शुभ दिन सभी जैन साधुओं के संघों में परंपरा से शास्त्र का अभिषेक दर्पण में किया जाता है। जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी श्री ज्ञानमति माताजी ने 400 से अधिक ग्रंथों का लेखन किया है। पूज्य माताजी सदैव जहां पर भी विराजमान होती हैं, वहां श्रुत पंचमी जैसे महान पर्व को खूब ठाट-बाट के साथ मनाने की प्रेरणा देती है। पूजन विधान पूज्य माताजी की लेखनी द्वारा लिखा गए हैं। मध्याह्न में उन्हीं द्वारा लिखित पूजन विधान को समस्त जैन समाज के लोगों के द्वारा भक्ति भाव पूर्वक सम्पन्न किया जाता है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है। क्योंकि यदि आज हम गौतम गणधर की वाणी को सुन रहे हैं, पढ़ रहे है तो वह श्रुत की है। यदि शास्त्र नहीं होते तो हम उस प्राचीन इतिहास को नहीं जान सकते थे। दक्षिण भात में जन्में चरित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज ने षटखंडागम जैसे महान ग्रंथ को ताम्रपत्र पर उत्कीर्ण करा कर सुरक्षित किया। श्रुत पंचमी पर्व का उद्देश्य है कि हम किस प्रकार जैन साहित्य को श्रवण संस्कृति को जान सकें एवं तीर्थकर भगवंतों महामुनियों की वाणी को, उनके अहिंसामयी सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचा सकें।

सू-दोकू नवताल -2133

			5	1				9
7		5			8	6		
9	8		4			7		
	7					9	3	4
3				9				6
6	4	9					7	
		6			5		2	7
		2	1			5		8
1				8	6			

सू-दोकू 2132 का हल

2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2133

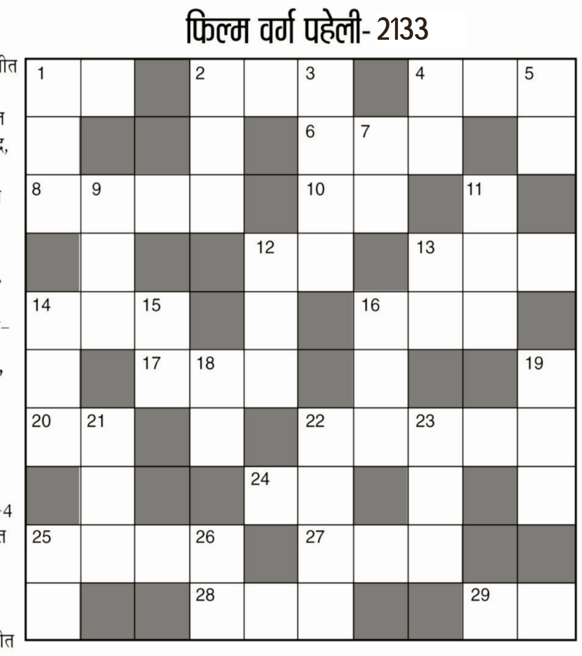

बायें से दायें:-

1. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-2
2. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
4. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-3
8. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-2,2
10. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-2
12. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-2
13. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-3
14. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-3
16. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-3
17. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-3
20. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
22. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-5
24. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-2
25. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-4
27. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
28. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-3
29. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
2. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-3
3. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-4
4. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-2
5. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-2
9. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-3
11. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-3
12. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-3
13. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
15. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-2
16. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-3
18. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-2
19. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-3
21. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-3
22. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-4
23. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-3
25. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-2
26. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2132

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रो	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

पलक झपकते ही चार्ज होगा वीवो का नया स्मार्टफोन

मुंबई । चीनी मोबाइल कंपनी वीवो स्मार्टफोन बाजार में नए-नए डिवाइसेस लांच कर रहा है। ब्रांड के अपकमिंग स्मार्टफोन को लेकर नई जानकारी सामने आई है। कंपनी 200 वॉट की चार्जिंग सपोर्ट वाला एक फोन जल्द ही लांच कर सकती है। पहले रिपोर्ट्स आई थी कि कंपनी 100 वाट की फास्ट चार्जिंग वाले हैंडसेट पर काम कर रही है। कंपनी 200 वॉट की फास्ट चार्जिंग वाला डिवाइस डेवलप कर रही है। कंपनी के अपकमिंग फ्लैगशिप डिवाइस में 20वी/10ए की चार्जिंग मिल सकती है। फ्लैगशिप डिवाइस में 200वॉट की फास्ट चार्जिंग मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी पहले 100वॉट की चार्जिंग पर काम कर रही थी, लेकिन अब ब्रांड ने अपना प्लान चेंज कर दिया है। नया एडॉप्टर 20वॉट की चार्जिंग सपोर्ट करेगा। ब्रांड इस चार्जिंग एडॉप्टर के साथ 4000एमएएच से ज्यादा क्षमता वाली बैटरी दे सकता है। हालांकि, इस स्मार्टफोन के नाम और स्पेसिफिकेशन की जानकारी फिलहाल नहीं है। कंपनी ने इस डिवाइस की अभी तक पुष्टि नहीं की है। ब्रांड का आखिरी फ्लैगशिप डिवाइस वीवो एक्स 80 प्रो था। वीवो ने हाल में ही इस भारतीय बाजार में लांच किया है।

एनसीएलएटी बोला- आईएलएंडएफएस लेनदारों को 16,361 करोड़ रु. नकद और इनविट यूनिट के रूप में दे

नई दिल्ली । ऋण में डूबे आईएलएंडएफएस समूह के नए बोर्ड को राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने आदेशित किया है कि वह समूह के लेनदारों को आनुपातिक आधार पर 16,361 करोड़ रुपये नकद और इनविट यूनिट के रूप में दे। इस 16,361 करोड़ रुपये की राशि में 11,296 करोड़ रुपये नकद और 5,065 करोड़ रुपये इनविट (इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट ट्रस्ट) यूनिट के रूप में हैं। इसका अधिकांश हिस्सा समूह की तीन बड़ी फर्मों - आईएलएंडएफएस, आईएफआईएन और आईटीएनएल के लेनदारों को दिया जाएगा। चेयरमैन न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा, 'विशेष मामलों को छोड़कर अंतरिम वितरण केवल उन संस्थाओं तक ही सीमित होगा, जैसा कि अनुलग्नक-6 में दर्शाया गया है, और 16,361 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जाएगी, जिसमें 11,296 करोड़ रुपये नकद और 5,065 करोड़ रुपये की इनविट यूनिट शामिल होंगी।' अंतरिम वितरण के बारे में एनसीएलएटी ने कहा कि इसे नए बोर्ड की मंजूरी के बाद ही लागू किया जाएगा और वितरण आनुपातिक आधार पर किया जाएगा। अपीलीय न्यायाधिकरण ने आईएलएंडएफएस को इस महीने के अंत तक समाधान प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 19 जुलाई 2022 को होगी।

मई में सेवा गतिविधियां 11 वर्षों में तेज गति से बढ़ीं

नई दिल्ली । भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां इस साल मई में इसमें पिछले 11 वर्षों की सबसे तेज वृद्धि हुई। एक मासिक सर्वेक्षण में शुक्रवार को बताया गया कि लागत में बढ़ोतरी के बाजवूद नए व्यवयास में वृद्धि के चलते ऐसा हुआ। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल का भारत सेवा पीएमआई व्यवसाय गतिविधि सूचकांक मई में बढ़कर 58.9 हो गया, जो अप्रैल में 57.9 था। अच्छी मांग और नए व्यवसाय में वृद्धि के चलते यह बढ़त हुई। यह लगातार 10वां महीना है, जब सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में विस्तार हुआ। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की आर्थिक संयुक्त निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने से सेवा क्षेत्र को समर्थन मिला है। मई में व्यावसायिक गतिविधियां 11 वर्षों में सबसे गति से बढ़ी, जो नए व्यवसाय से समर्थित थीं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई पर समय के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स अंतिम क्षणों में बिकवाली हावी होने से 48.88 अंक करीब 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ ही 55,769.23 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह 56,432.65 के उच्च स्तर पर जबकि 55,719.36 अंक के निचले स्तर तक गया। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट के साथ ही 43.70 अंक तकरीबन 0.26 फीयदी नीचे आकर 16,584.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा बैंक में प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, लार्सन एंड टूब्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, विप्रो, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. लाभ में रहे। वहीं गत दिवस बाजार लाभ के साथ ही बंद हुआ था।

हुंदै की नई वेन्यू की बुकिंग शुरू

नई दिल्ली । हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि उसने अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू के नए संस्करण की बुकिंग शुरू कर दी है। ये गाड़ी इस महीने के ओ खिर में बाजार में आ सकती है। कंपनी ने बताया कि ग्राहक नये मॉडल को कंपनी के डीलरशिप पर 21,000 रुपये देकर बुक कर सकते हैं। इसे ऑनलाइन भी बुक किया जा सकता है। हुंदै मोटर इंडिया के निदेशक (बिक्री, विपणन और सेवा) तरुण गर्ग ने कहा कि भारत में वेन्यू को 2019 में पेशकश के बाद से शानदार सफलता मिली है। देश भर के ग्राहक इसके आने वाले डिजाइन, उन्नत तकनीक और शक्तिशाली प्रदर्शन से रोमांचित हैं। नए वेन्यू के साथ, हम और भी ऊंचे मानक स्थापित करेंगे। ग्राहक घर बैठे एलेक्सा और गूगल वॉयस असिस्टेंट के साथ होम-टू-कार (एच2सी) के माध्यम से वाहन की स्थिति की जांच कर सकेंगे और साथ ही कई कार्यों को नियंत्रित कर सकते हैं।

ओएनजीसी के पास 12-18 महीनों के दौरान निवेश बढ़ाने का मौका

मुंबई । ओएनजीसी के पास अगले 12-18 महीनों के दौरान निवेश बढ़ाने का एक ठोस आधार है, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण उसकी आय में भारी बढ़ोतरी होगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बेहतर नकदी प्रवाह ओएनजीसी की रेटिंग का समर्थन कर रहा है। ओएनजीसी को कच्चे तेल के लिए अंतरराष्ट्रीय तेल दरों के अनुसार कीमत मिलती है, जबकि सरकार प्राकृतिक गैस की कीमत एक फार्मूले के आधार पर तय करती है, जो वैश्विक सूचकांकों पर आधारित है। इस समय तेल कीमतें कई वर्षों के उच्च स्तर पर हैं, जबकि ओएनजीसी के लिए गैस की कीमतें भी बढ़ाकर 6.1 अमेरिकी डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया, ''ओएनजीसी अगले कुछ वर्षों में अपने बेहतर नकदी प्रवाह के 60 प्रतिशत से अधिक हिस्से को निवेश करेगी। हमें उम्मीद है कि कंपनी वित्त वर्ष 2022-23 (31 मार्च 2023 को समाप्त) में 55,000-60,000 करोड़ रुपये निवेश करेगी, जबकि पिछले दो वर्षों के दौरान सालाना आधार पर 45,000 करोड़ रुपये से कम निवेश किए गए। ओएनजीसी अगले तीन वर्षों में खोज गतिविधियों पर 31,000 करोड़ रुपये खर्च करना चाहती है, जबकि पिछले तीन वर्षों में करीब 21,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और कीमतें घटने पर भी आय स्थिर बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया कि उम्मीद है कि ओएनजीसी शेयरधारकों को बेहतर लाभांश भी देती रहेगी।

एयर इंडिया ने 55 साल से अधिक उम्र के कर्मचारियों को दिया वीआरएस का आफर

नई दिल्ली ।

टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया का अधिग्रहण किए जाने के बाद इसके कायाकल्प की कवायद जारी है। इसी के अंतर्गत कंपनी ने अपने स्थायी कर्मचारियों के लिए वॉलेंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) लॉन्च की है। कर्मचारियों की संख्या कम करने के लिए कंपनी का यह पहला अभियान है। नमक से स्टील तक बनाने वाले इस ग्रुप ने पिछले साल इस एयरलाइन को एक्वायर किया था। इस एयरलाइन में नवंबर 2019 तक 9,426 परमानेंट कर्मचारी थे। अगर कर्मचारी की उम्र 55 साल से ज्यादा है या उन्होंने लगातार 20 साल तक इस कंपनी में काम किया है, तो वे इस ऑप्शन का लाभ उठा पाएंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि एयर इंडिया की यह स्कीम महज 40 साल की उम्र के लोगों के लिए भी है। मेमो के मुताबिक, 40 साल की उम्र वाले केबिन क्रू, क्लर्क, अनस्किल्ड कार्यबल भी वीआरएस के लिए आवेदन कर सकते हैं। वीआरएस का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को अनुग्रह राशि पर अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा।

वैसे, आपको बता दें कि एयरलाइंस के इतिहास में शायद यह पहली बार है, जब केबिन क्रू के लिए भी वीआरएस लाया गया है। साथ ही, वीआरएस के लिए उम्र भी 55 साल से घटाकर महज 40 साल की गई है। एयर इंडिया के चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर सुरेश दत्त त्रिपाठी के हस्ताक्षर वाले मेमो में कहा गया है कि जो कर्मचारी 1 जून से 30 जून के बीच वीआरएस के लिए आवेदन करते हैं, उन्हें अपने क्षेत्र के पर्सनल डिपार्टमेंट के प्रमुख से संपर्क करने के लिए कहा जा रहा है। एक ओर जहां कंपनी ने वीआरएस की घोषणा की है, वहीं यह कोलकाता, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में केबिन क्रू के लिए वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित कर रही है। यही नहीं, एयर इंडिया अपनी प्रतिद्वंद्वि कंपनियों से इंजीनियरिंग, नेटवर्क प्लानिंग और रेवेन्यू मैनेजमेंट जैसे खास विभागों के मिडिल और सीनियर अधिकारियों को अपनी ओर खींच भी रही है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, स्पाइसजेट में इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट का नेतृत्व करने वाले अरुण कश्यप एयर इंडिया में इंजीनियरिंग प्रमुख के रूप में शामिल हो गए हैं। टाटा ग्रुप की सिस्टर कंपनियों से भी अधिकारी एयर इंडिया में लाए जा रहे हैं।

अब भारत से कुछ शर्तों के साथ निर्यात हो सकेगा गेहूं

भारत ने गेहूं निर्यात पर 14 मई को लगा दिया था प्रतिबंध

नई दिल्ली । बांग्लादेश, फिलीपींस और तंजानिया सहित कुछ देशों को गेहूं निर्यात करने की अनुमति केंद्र सरकार ने दे दी है। कुछ शर्तों के साथ निर्यात की यह अनुमति उन देशों में गेहूं भेजने के लिए दी गई है, जिन्होंने अपनी खाद्य सुरक्षा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत से गेहूं देने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि घरेलू बाजार में बढ़ती कीमतों को देखते हुए भारत ने गेहूं निर्यात पर 14 मई को प्रतिबंध लगा दिया था। निर्यात पर प्रतिबंध के बाद सरकार ने स्पष्ट किया था कि जिन कंपनियों को लेटर आफ क्रेडिट जारी हो चुका है, वो गेहूं निर्यात कर सकेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार और इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों ने रॉयटर्स को भारत से गेहूं निर्यात किए जाने की जानकारी दी है। भारत बांग्लादेश, फिलीपिंस, तंजानिया और मलेशिया को 4,69,202 टन गेहूं भेजेगा। गेहूं व्यापार से जुड़े लोगों का कहना है कि लगभग 17 लाख टन गेहूं बंदरगाहों पर पड़ा है। भारत में मानसून सीजन शुरू होने वाला है। मानसून की बारिश से इस गेहूं के खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंध के चलते मई में भारत का गेहूं निर्यात घटकर 11.3 लाख टन रह गया, जबकि अप्रैल में यह 14.6 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। गेहूं की वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि होने के कारण, भारत में गेहूं की कीमतों में भी भारी उछाल आया था। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने 14 मई को गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी थी। हालांकि, विशेष शर्तों के तहत गेहूं के निर्यात को अनुमति देने की बात तब सरकार ने कही थी। ताजा शिपमेंट की अनुमति लेटर ऑफ क्रेडिट के जरिये दी गई है जो पहले ही जारी किए जा चुके हैं। साथ ही इस गेहूं की आपूर्ति ऐसे देशों को की जानी है, जिन्हें अपनी फूड सिक्योरिटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए गेहूं की जरूरत है। ग्लोबल ट्रेडिंग फर्म्स से जुड़े तीन डीलर्स ने बताया कि विभिन्न बंदरगाहों पर कम से कम 17 लाख टन गेहूं पड़ा हुआ है। इस साल 80 लाख से 1 करोड़ टन गेहूं के निर्यात की अनुमति मिलने की उम्मीद की जा रही थी। पिछले साल 72 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति मिली थी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का ठेका टाटा प्रोजेक्ट्स को मिला

नई दिल्ली ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बनाने का ठेका टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स को मिला है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने इस काम के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स को चुना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 25 नंवबर को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की आधारशिला रखी थी। इस प्रोजेक्ट को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बनाया जा रहा है। ज्यूरिख एयरपोर्ट इसके पहले चरण में 5,700 करोड़ रुपये निवेश कर रही है। इस एयरपोर्ट के 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और टाटा प्रोजेक्ट्स के जॉइंट स्टेटमेंट में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक टाटा प्रोजेक्ट्स नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल, रनवे, एयरसाइड इन्फ्रास्ट्रक्चर, रोड, युटिलिटीज, लैंडसाइट फैसिलिटीज और दूसरी इमारतों का निर्माण करेगी। टाटा प्रोजेक्ट्स को देश में कई इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट बनाने का अनुभव है। इनमें संसद की नई इमारत, मुंबई में ट्रांस-हार्बर लिंक, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के कई सेक्शन और कई शहरों के मेट्रो प्रोजेक्ट शामिल हैं।

ऑयल सचिव बोले- सिर्फ उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिल रही 200 रुपए की एलपीजी सब्सिडी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय ऑयल सचिव पंकज जैन ने बताया कि सिर्फ उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को ही 200 रुपये की एलपीजी सब्सिडी का लाभ मिल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 21 मई को रसोई गैस पर सब्सिडी देने की घोषणा के बाद से ही इसके लाभार्थियों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

इस भ्रम को अब ऑयल सेक्रेटरी पंकज जैन ने दूर कर दिया है। जैन ने साफ कर दिया है कि रसोई गैस पर 200 रुपये की सब्सिडी देने का जो ऐलान वित्त मंत्री ने किया था, वो सब्सिडी सभी एलपीजी यूजर्स के खातों में सरकार नहीं डालेगी।

एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय ऑयल सेक्रेटरी ने कहा है कि 200 रुपये की सब्सिडी पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को ही प्रदान की जाएगी। बाकी लोगों को बाजार मूल्य पर ही रसाई गैस सिलेंडर खरीदना होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने बीते 21 मई को महंगाई को कम करने के इरादे से पेट्रोल पर 8 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटाने की घोषणा की थी। इसके साथ ही उन्होंने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एक वर्ष में 12 सिलेंडरो के लिए 200 रुपये प्रति सिलेंडर सब्सिडी देने का भी ऐलान किया था। पंकज जैन ने बताया कि जून 2020 से रसोई गैस पर कोई सब्सिडी सरकार नहीं दे रही है। अब केवल वही सब्सिडी दी जा रही है जिसकी घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 21 मई को की थी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी की शुरूआत से ही एलपीजी ग्राहकों के लिए सब्सिडी की किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है।

राजधानी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1,003 रुपये है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सीधे उनके बैंक खाते में 200 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। इससे उन्हें यह सिलेंडर खरीदने के लिए अपनी जेब से केवल 803 रुपये ही खर्चने होंगे। बाकी लोगों के लिए दिल्ली में इसकी कीमत 1,003 रुपये ही रहेगी। उज्ज्वला लाभार्थियों को 200 रुपये की गैस सब्सिडी देने से सरकारी खजाने पर 6,100 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में इस समय करीब 30.5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन हैं। इसमें से 9 करोड़ कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सरकार ने मुहैया कराए हैं।

गेहूं, चावल, चीनी और खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों में गिरावट का रुख: खाद्य सचिव

नई दिल्ली । खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा कि सरकार की तरफ से लिए गए उपायों के बाद गेहूं, चावल, चीनी और खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों में गिरावट का रुख देखने को मिल रहा है। सरकार ने बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच 13 मई को गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी थी। इसके बाद चीनी के निर्यात की सीमा को घटाकर प्रति वर्ष एक करोड़ टन कर दिया था। इसके अलावा प्रमुख खाद्य तेलों पर आयात शुल्क को भी घटा दिया था। कई कदम उठाने के बाद सभी चुनौतियों के बावजूद इनका असर दिख रहा है। मैं यह नहीं कह रहा कि चुनौतियां एक दम से खत्म हो गई है। ये अभी बनी रहेंगी। इन सब चुनौतियों के बावजूद कीमतों में गिरावट का रुख सरकार के हस्तक्षेप के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह में आटे की औसत खुदरा कीमत 0.30 प्रतिशत घटकर 33.4 रुपए प्रति किलो हो गई है। वहीं गेहूं के भाव में भी गिरावट का रुख आया है और इसका भाव एक जून को 29.8 रुपए प्रति किलो है। गेहूं में कीमतों में अब कमी आ रही है। गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से 19 दिन पहले खुदरा गेहूं की कीमतों में 0.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। अब, गेहूं के भाव में केवल 0.47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इस तरह का रुख गेहूं और आटे की कीमतों में भी देखा गया है। वहीं चावल को लेकर सचिव ने कहा कि चावल का औसत भाव स्थिर बना हुआ और खुदरा और थोक दोनों बाजारों में इसकी कीमतों में मामूली गिरावट भी देखी गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोयाबीन और सूरजमुखी के दाम एक साल पहले 35 प्रतिशत बढ़े थे, लेकिन घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ने की वजह से हम इसके प्रभाव से बच सके। उन्होंने कहा कि चीनी का औसत खुदरा दाम 41.50 रुपए प्रति किलो है। पिछले एक माह में चीनी की कीमतों में 50 पैसे प्रति किलोग्राम की कमी आई है।

स्टेट बैंक के एटीएम से आप उठा सकते हैं कई सेवाओं का फ्री लाभ

नई दिल्ली ।

देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के ग्राहक इसके एटीएम पर कई तरह की सर्विस का लाभ निशुल्क उठा सकते हैं। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार, देश में इसके 60 हजार से अधिक एटीएम हैं, जो भारत का सबसे बड़ा एटीएम नेटवर्क है। एसबीआई के अनुसार कोई भी ग्राहक एसबीआई एटीएम (डेबिड कार्ड) का इस्तेमाल कर कई तरह की मुफ्त सर्विस का लाभ उठा सकता है। एसबीआई के सभी तरह के कार्ड इसके एटीएम पर स्वीकार किए जाते हैं। एसबीआई के डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कर आप तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। ये सर्विस बिलकुल फ्री है। इसके द्वारा आप किसी को भी पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपना एसबीआई डेबिड कार्ड, पिन नंबर और जिसे भेज रहे हैं उसके डेबिट कार्ड के नंबर की जरूरत होती है। एसबीआई के एटीएम पर जाकर आप मुफ्त में अपने डेबिट कार्ड का पिन बदल (एटीएम पिन बदल) सकते हैं। इस सेवा का लाभ आप नियमित अंतराल पर अपने एटीएम कार्ड का पासवर्ड बदलने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आपको किसी भी तरह का चार्ज नहीं देना पड़ता है। एसबीआई के एटीएम का इस्तेमाल कर आप अपने अकाउंट की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मिनी स्टेटमेंट सेवा का इस्तेमाल कर आप अपने खाते से हुए लेन-देन पर आसानी से नजर रख सकते हैं। एसबीआई के किसी भी एटीएम का इस्तेमाल कर आप एसबीआई लाइफ प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए आपको बैंक के ब्रांच में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप एसबीआई के एटीएम से चेकबुक के लिए अनुरोध कर सकते हैं। इसके लिए भी आपको ब्रांच जाने की जरूरत नहीं है और ना ही कोई फॉर्म भरना है। एसबीआई डेबिड कार्ड का इस्तेमाल कर आप एटीएम से तमाम तरह के बिल का भुगतान आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको किसी भी तरह का अतिरिक्त चार्ज नहीं देना होता है।

एलन मस्क टेस्ला से करेंगे 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी, नई नियुक्तियों पर लगाई पाबंदी

नई दिल्ली ।

दुनिया सबसे रईस कारोबारी और मशहूर इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि कंपनी अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी जल्द करेगी। इससे पहले उन्होंने अपने कर्मचारियों से कहा था कि वे ऑफिस आकर काम करें नहीं तो इस्तीफा दे दें। टेस्ला के अधिकारियों को उन्होंने ई-मेल भेजा है।

अपने ई-मेल में उन्होंने दुनियाभर में नई नियुक्तियों पर रोक लगाने की बात कही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि मौजूदा हालात को देखकर बहुत बुरा लग रहा है। एलन मस्क की ओर से टेस्ला के अधिकारियों को यह इंटरनल ई-मेल गुरुवार को भेजा गया है। यह ई-मेल 'दुनियाभर में सभी नियुक्तियों को रोकें' शीर्षक से भेजा गया है। इसी ई-मेल के हवाले से बताया गया है कि टेस्ला के 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी होगी। इससे पहले मस्क ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि कर्मचारी को हर हफ्ते 40 घंटे ऑफिस में रह कर काम करना होगा, नहीं तो वे नौकरी छोड़ दें। मस्क ने मंगलवार रात कर्मचारियों को भेजे ई-मेल में लिखा था, 'टेस्ला में सभी को ऑफिस में हर हफ्ते कम से कम 40 घंटे बिताने ही होंगे। यदि नहीं आते हैं तो हम मान लेंगे कि आपने इस्तीफा दे दिया है।' एलन मस्क के इस आदेश की अब आलोचना हो रही है। ऑस्ट्रेलिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति स्कॉट फरक्वार ने लगातार कई ट्वीट्स कर उन पर तंज कसा है। उन्होंने अपने ट्वीट में इसे '1950 के दशक जैसा आदेश' बताया है। इतना ही नहीं, उन्होंने टेस्ला के कर्मचारियों को अपनी कंपनी में नौकरी करने का ऑफर तक दे दिया है।

उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, 'हम वित्त वर्ष 2026 तक एटलसियन के कर्मचारियों की संख्या 25,000 तक बढ़ाना चाहते हैं। टेस्ला का कोई कर्मचारी इंटरेस्टेड है?' इस पर पलटवार करते हुए मस्क ने कहा, 'इस तरह के ट्वीट्स बताते हैं कि मंदी एक अहम आर्थिक सफाई का काम क्यों करती है।' आपको बता दें कि एलन मस्क भारत में टेस्ला की इलेक्ट्रिक कारें बेचना चाह रहे हैं, लेकिन इसमें उन्हें दिक्कत हो रही है। दरअसल, वे चीन एवं अन्य देशों में निर्माण कर यहां इंपोर्ट करके कार बेचना चाहते हैं। इंपोर्टेड कारों पर ड्यूटी बहुत ज्यादा है। मस्क इस ड्यूटी को घटाने की मांग कर रहे हैं।

अंजुम मोदगिल ने रजत पदक जीता, भारत बाकू निशानेबाजी विश्व कप में तीसरे स्थान पर पहुंचा

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

अनुभवी भारतीय निशानेबाज अंजुम मोदगिल ने शुक्रवार को अजरबैजान के बाकू में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में रजत पदक जीता जिससे भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। अंजुम स्वर्ण पदक के मैच में डेनमार्क की रिक्के मेंग इब्सेन से 12-16 से हार गईं। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता अंजुम ने गुरुवार को 600 में से 587 के स्कोर के साथ 60 निशानेबाजों में चौथे स्थान पर रहते हुए शीर्ष आठ रैंकिंग राउंड के लिए क्वालीफाई किया था।

क्वालिफिकेशन के दूसरे चरण में वह 406.5 अंक के साथ इब्सेन (411.4) के बाद दूसरे स्थान पर रही। अंजुम ने इस प्रतिद्वंद्वी को इसके बाद फाइनल में कड़ी चुनौती दी, लेकिन डेनमार्क की इस खिलाड़ी के पार नहीं पा सकीं। यह विश्व कप में अंजुम का दूसरा व्यक्तिगत रजत पदक है। स्वप्निल, दीपक कुमार और गोल्डी गुर्जर की पुरुषों की भारतीय टीम ने '3पी' टीम प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। भारतीय तिकड़ी क्वालीफाइंग के दो चरण में शानदार प्रदर्शन कर फाइनल में पहुंची लेकिन उन्हें क्रोएशिया से 7-17 से हार का सामना करना पड़ा। इस स्पर्धा में यूक्रेन ने कांस्य पदक जीता। भारतीय के पास अब टूर्नामेंट में एक स्वर्ण और तीन रजत पदक हैं और वह कोरिया और सर्बिया के बाद तीसरे स्थान पर है।

महिलाओं की प्रतियोगिता में भारत करीबी अंतर से दो पदक से चूक गया। आयुषी पोद्दार 585 के स्कोर के साथ 16वें स्थान पर रही। वह शीर्ष आठ में जगह बनाने से एक अंक से चूक गयी। इस स्पर्धा में आशी चौकसी 584 के स्कोर के साथ 20 वें स्थान पर रही।

अंजुम और आयुषी की महिलाओं की '3पी' टीम ने अपना पहला क्वालीफाइंग दौर 1316 के कुल स्कोर के साथ जीतकर दूसरे चरण में जगह बनाई। यह भारतीय टीम रैंकिंग चरण में 867 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहने के बाद पदक से चूक गयी।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीम में शामिल भारोत्तोलक एक महीने पहले पहुंचेंगे बर्मिंघम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चुनी गई भारतीय भारोत्तोलन टीम एक महीने पहले ही मेजबान शहर बर्मिंघम पहुंच जाएगी ताकि परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल सके और प्रतियोगिता शुरू होने से पहले अभ्यास शिविर में तैयारी कर सके। टीम में टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू भी शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेल ब्रिटेन के बर्मिंघम में 28 जुलाई से आठ अगस्त तक खेले जाएंगे।

भारतीय भारोत्तोलक अपने वीजा का इंतजार कर रहे हैं और उनके 20 या 21 जून तक ब्रिटेन पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने कहा, 'सरकार ने अभ्यास शिविर को मंजूरी दे दी है। बुकिंग हो चुकी हैं। हम बस वीजा का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'भारोत्तोलक एक महीने पहले जाएंगे। वीजा मिलने के बाद ही सही तारीख तय होगी। अभी फिलहाल संभावित तिथि 20 या 21 जून है।'

राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की पदक विजेता चानू ने 2014 ग्लासगो चरण में रजत पदक और चार साल बाद 2018 गोल्ड कोस्ट खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू ने पहले ही अपनी तैयारी शुरू कर दी है और इस 27 साल की भारोत्तोलक ने इसलिये पिछले महीने अमरीका में एक महीने लंबी ट्रेनिंग भी पूरी की। हालांकि अन्य भारोत्तोलक वीजा मुद्दों के कारण अमेरिका नहीं जा पाए थे जिनमें युवा ओलंपिक चैम्पियन जेरेमी लालरिनुगा भी शामिल हैं।

भारत राष्ट्रमंडल स्तर पर इस खेल में महाशक्ति है। 2018 में भारतीयों ने पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य से कुल नौ पदक हासिल किए थे। बर्मिंघम रवाना होने से पहले चानू हिमाचल प्रदेश के नागरोटा बागवान में 14 से 22 जून तक होने वाली खेलो इंडिया युवा, जूनियर और सीनियर नेशनल रैंकिंग महिला भारोत्तोलन चैम्पियनशिप के शुरूआती चरण में हिस्सा लेंगी।

चानू के अलावा मौजूदा जूनियर विश्व चैम्पियन हर्षदा गरूड़ और राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल भारोत्तोलकों के साथ एशियाई चैम्पियन झिली डालाबेहड़ा भी इसमें शिरकत करेंगी। महासंघ ने साथ ही शीर्ष आठ भारोत्तोलकों के लिए नकद पुरस्कार की भी घोषणा की है जिसकी शुरूआत 20,000 रूपये से होगी। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

महिला: मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदयारानी देवी (55 किग्रा), पॉपी हजारिका (59 किग्रा), हरजिंदर कौर (71 किग्रा), पूनम यादव (76 किग्रा), ऊषा कुमारी (87 किग्रा) और पूर्णिमा पांडे (87 किग्रा से अधिक)

पुरूष: संकेत सागर (55 किग्रा), गुरूराजा पूजारी (61 किग्रा), जेरेमी लालरिनुगा (67 किग्रा), अचिंता सेहुली (73 किग्रा), अजय सिंह (81 किग्रा), विकास ठाकुर (96 किग्रा), लवप्रीत सिंह (109 किग्रा) और गुरदीप सिंह (109 किग्रा से अधिक).

एक-दूसरे के खिलाफ खेलना चाहते हैं भारत-पाक क्रिकेटर : रिजवान

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने भारत के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज शुरु करने की मांग करते हुए कहा है कि दोनो देशों के क्रिकेटर आपस में खेलना चाहते हैं पर राजनीति के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है क्योंकि खिलाड़ियों का उसपर कोई नियंत्रण नहीं है। भारत और पाक की टीमों ने अंतिम बार साल 2013 में द्विपक्षीय सीरीज खेली थी। तब पाक टीम भारत के दौरे पर गयी थी।

प्रशंसकों को दोनों टीमें के बीच मुकाबले केवल आईसीसी टूर्नामेंट में देखने को मिलते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवर की घरेलू सीरीज खेलने की तैयारी के बाद मीडिया से बात करते हुए रिजवान ने कहा, ' दोनो ही देशों के क्रिकेटर एक दूसरे के खिलाफ खेलना चाहते हैं पर दोनों देशों के राजनैतिक मामले खिलाड़ियों के नियंत्रण में नहीं है।'

रिजवान ने हाल ही में भारतीय टीम के टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के साथ इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला था। तब ये दोनो ही एक ही टीम ससेक्स में शामिल थे। इस दौरान दोनों के बीच अच्छी दोस्ती तक हो गयी थी। रिजवान ने पुजारा की तारीफ करते नहीं कहा कि उन्हें इस भारतीय क्रिकेटर से काफी कुछ सीखने को मिला है। रिजवान के अनुसार पुजारा का इस खेल के प्रति गंभीरता और समर्पण लाजवाब है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। एक खिलाड़ी के तौर पर हम अलग नहीं हैं। हम एक ही क्रिकेट परिवार से हैं। वह बेहद शानदार इंसान हैं। वहीं पुजारा का काउंटी में शानदार फॉर्म रहा है जिसके कारण ही उनकी टीम इंडिया में भी वापसी हुई है।

न्यूजीलैंड को सस्ते में समेटने के बाद इंग्लैंड की बल्लेबाजी भी ढ़ही

लंदन (एजेंसी)।

बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतरी इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को यहां लॉर्ड्स में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन 132 रनों पर ही आउट कर दिया। कीवी कप्तान केन विलियम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जा गलत साबित हुआ। नये तेज गेंदबाज मैथ्यू पोट्स और अनुभवी जेम्स एंडरसन की शानदार गेंदबाजी की सहायता से न्यूजीलैंड की टीम अपनी पहली पारी में चाय ब्रेक से पहले 132 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। डेब्यू कर रहे पोट्स और एंडरसन ने चार-चार विकेट लिए। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से केवल कोलिन डि ग्रैंडहोम की कुछ हद तक मेजबान गेंदबाजों का सामना कर पाये। कोलिन ने सबसे नाबाद 42 रन बनाए। उन्होंने टिम साउथी 26 के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 41 और ट्रेंट बोल्ट 14 के साथ अंतिम विकेट के लिए 30 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 रन के ऊपर पहुंचाया। कीवी टीम ने लंच से पहले ही 36 रन पर 6 विकेट खो दिए थे। एंडरसन ने दोनों सलामी बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजकर अच्छी वापसी की। वहीं ब्रॉड ने डेवोन कॉन्वे को भी 03 रनों पर ही आउट कर दिया। पोट्स ने विलियमसन को केवल 02 रनों पर आउट कर टीम को एक बड़ा झटका दिया। पोट्स ने डेरिल मिशेल (13) और टॉम ब्लंडेल (14) को भी अपना शिकार बनाया। वहीं काइल जैमीसन भी छह रन बनाकर एंडरसन की गेंद पर आउट हुए। कोलिन ग्रैंडहोम और टिम साउथी ने इसके बाद साझेदारी कर पारी को संभालने का प्रयास किया।

वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम ने भी पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 7 विकेट पर केवल 116 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय विकेटकीपर बेन फोक्स 06 और स्टुअर्ट ब्रॉड 04 हैं खेल रहे थे। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और काइल जेमिसन ने 2-2 विकेट लिए हैं। इससे पहले इंग्लैंड टीम को एलेक्स लीस और जैक क्राउली ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए दोनों के बीच 59 रनों की साझेदारी भी हुई। एक समय इंग्लैंड का स्कोर 2 विकेट पर 92 रन था पर इसके बाद विकेट गिरने जो शुरु हुए तो यह सिलसिला खेल समाप्त होने तक जारी रहा। 100 के स्कोर पर इंग्लैंड को सातवां झटका लग गया इस प्रकार टीम ने 8 रन बनाने के लिए 5 विकेट खो दिये। कप्तान स्टोक्स केवल एक रन बना पाये। स्टंप्स तक इंग्लैंड का स्कोर 7 विकेट पर 116 रन था। इसमें 18 रन अतिरिक्त के हैं।

रूट अब सचिन , कुक और द्रविड़ के क्लब में शामिल हुए

सात टीमों के खिलाफ एक हजार रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने यहां मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन एक अहम उपलब्धि हासिल की है। रुट ने 11 रनों की अपने छोटी सी पारी के दौरान ही कीवी टीम के खिलाफ अपने 1000 रन पूरे किये। इसी के साथ ही रूट सात टीमों के खिलाफ एक हजार या इससे अधिक रन बनाने के मामले में दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर , एलिस्टर कुक, और राहुल द्रविड़ की बराबरी पर आ गये हैं। रूट के अब न्यूजीलैंड टीम के खिलाफ कुल 1003 रन हो गए हैं। इस प्रकार वह सात अलग अलग टीमों के खिलाफ 1000 या इससे अधिक टेस्ट रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले कुक, सचिन और द्रविड़ ही इस विशिष्ट क्लब में थे। रूट ने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और भारत के खिलाफ अपने से एक हजार रन बनाये हैं। अब वह टेस्ट क्रिकेट में दस हजार रन के आंकड़े को पूरा करना चाहेंगे जिससे वह केवल एक शतक की दूरी पर हैं। रूट सौ रन बनाते ही दस हजारी क्लब में शामिल हो जाएंगे। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले एलिस्टर कुक के बाद इंग्लैंड के दूसरे इंग्लिश बल्लेबाज होंगे।

रहाणे ने पैर की मांसपेशियों की चोट पर कहा, छह से आठ हफ्ते में पूरी तरह ठीक हो जाऊंगा

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलने के दौरान पैर की मांसपेशियों में लगी चोट से पूरी तरह उबरने में कम से कम छह से आठ हफ्ते का समय लगेगा। रहाणे को केकेआर के 13वें लीग मैच के दौरान चोट लगी थी जिसके बाद वह बाकी बचे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। रहाणे ने पीटीआई से कहा, ''यह (चोट लगना) दुर्भाग्यशाली था। लेकिन मेरा रिहैबिलिटेशन अच्छा चल रहा है। मैं अच्छी तरह उबर रहा हूं। मैं लगभग 10 दिन तक बेंगलोर (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में रहा और रिहैबिलिटेशन तथा चोट से उबरने के लिए मैं दोबारा वहां जा रहा हूं।'' दाएं हाथ के इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, ''अभी मेरा पूरा ध्यान सिर्फ बेहतर होने पर है। जल्द से जल्द फिट होना और मैदान पर उतरना। मुझे नहीं पता कि मैं कब तक पूरी तरह फिट हो पाऊंगा, इसमें छह से आठ हफ्ते लगने की उम्मीद है लेकिन इस समय मैं एक बार में एक दिन, एक बार में एक हफ्ते पर ध्यान दे रहा हूं।'' हाल में संपन्न आईपीएल में केकेआर की ओर से रहाणे सात मैच में सिर्फ 133 रन बना पाए लेकिन उन्होंने इसे अच्छा अनुभव करार दिया। भारत के 2020-21 के आस्ट्रेलिया दौरे पर एतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत के दौरान मेलबर्न में मैच विजयी 112 रन की पारी खेलने वाले रहाणे ने इसे 'विशेष' पारी करार दिया। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर वह शतक (मेलबर्न में) बेहद विशेष था और मुझे लगता है कि वह विदेशी सरजमीं और टेस्ट क्रिकेट में मेरे सर्वश्रेष्ठ शतक में से एक है।'' रहाणे ने कहा, ''एडीलेड में जो हुआ, 36 रन पर पूरी टीम सिमट गई, टेस्ट मैच गंवा दिया और इसके बाद अलग मानसिकता के साथ मेलबर्न जाना और वहां शतक जड़ना और टेस्ट जीतना अधिक विशेष था। '' उन्होंने कहा, ''मेरा शतक विशेष था क्योंकि हमने वहां टेस्ट मैच जीता और लय हासिल की।

क्रिकेट के मक्का में शेन वॉर्न को दी श्रद्धांजलि, 23वें ओवर में 23 सेकंड के लिए रोका गया मुकाबला

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच तीन टेस्ट मुकाबलों की सीरीज का पहला मुकाबला क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जा रहा है। इस दौरान इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शेन वॉर्न को श्रद्धांजलि दी। आपको बता दें कि ईसीबी ने लॉर्ड्स के कमेंट्री बॉक्स का नाम शेन वॉर्न के नाम पर करने का फैसला किया है। इतना ही नहीं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे मुकाबले के बीच में थोड़ी देर के मुकाबला रुका और खिलाड़ियों समेत स्टेडियम में मौजूद तमाम क्रिकेटप्रेमियों की तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देने लगी। आपको बता दें कि शेन वॉर्न की याद में 23वें ओवर के बाद 23 सेकंड के लिए खेल को रोका गया। इस दौरान स्टेडियम में मौजूद तमाम क्रिकेटप्रेमियों ने तालियों के साथ शेन वॉर्न को याद किया। इस संबंध में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर फोटो शेयर किया है। दरअसल, स्टेडियम की स्क्रीन पर जैसे ही शेन वॉर्न के 700वां विकेट लेने वाला वीडियो शुरू हुआ, तभी मुकाबले को कुछ देर के लिए रोक दिया गया।

पुर्तगाल ने नेशंस लीग में स्पेन से ड्रॉ खेला

बार्सीलोना। क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर पूरा फोकस रखने के चक्कर में स्पेन की टीम ने पुर्तगाल के दूसरे स्थानापन्न खिलाड़ी पर ध्यान नहीं दिया और नेशंस लीग फुटबॉल में उसे 1.1 से ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। रिकार्डो होर्ता ने पुर्तगाल के लिए बराबरी का गोल दागा। होर्ता 2014 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण के बाद अपना दूसरा ही मैच खेल रहे थे। वह आखिरी मिनटों में मैदान पर उतरे थे और 82वें मिनट में गोल कर दिया। इससे पहले स्पेन के लिए अलवारो मोराता ने 25वें मिनट में गोल किया था। स्पेन को पिछले साल फाइनल में फ्रांस ने हराया था। लीग बी में नॉर्वे ने सर्बिया को 1.0 से हराया जबकि स्वीडन ने स्लोवेनिया को 2.0 से मात दी। इस्राइल ने आइसलैंड से 2.0 से ड्रॉ खेला।

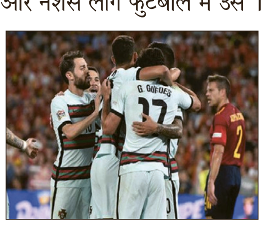

इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन के फाइनल में

पेरिस। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज पोलैंड की इगा स्वियातेक ने गुरूवार को यहां रूस की दारिया कसातकिना को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीय स्वियातेक दूसरी बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। स्वियातेक ने सेमीफाइनल में 20वीं रैंकिंग की कसातकिना पर 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की जिससे उन्होंने लगातार 34 मैचों में जीत हासिल की। स्वियातेक ने 22 विनर लगाए जबकि कसातकिना केवल 10 विनर लगा पाईं। स्वियातेक की 'अनफोर्स्ड' गलतियां 13 रहीं। अब शनिवार को होने वाले फाइनल में उनका सामना अमरीका की 18 वर्षीय कोको गॉफ और इटली की मार्टिना ट्रेविसान के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। स्वियातेक ने 2020 में रोलां गैरां ट्राफी हासिल की थी और अब उनकी कोशिश लाल बजरी पर दूसरा खिताब हासिल करने की होगी। स्वियातेक ने अपने पिछले 5 टूर्नामेंट जीते हैं, उन्हें सिर्फ फरवरी में 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको से हार का सामना करना पड़ा था। टेनिस में मेजर एकल खिताब जीतने वाली एकमात्र पोलिश खिलाड़ी स्वियातेक अब लगातार जीत दर्ज करने के मामले में सेरेना विलियम्स के बराबर पहुंच गई हैं जिन्होंने 2013 में 34 जीत हासिल की थीं। लगातार सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में वीनस विलियम्स सबसे आगे हैं जिन्होंने 2000 में 35 जीत हासिल की थीं। पुरूष वर्ग के सेमीफाइनल में शुक्रवार को 13 बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन रफाल नडाल का सामना तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा तथा 2014 अमरीकी ओपन चैम्पियन मारिन सिलिच की भिड़ंत कैस्पर रूड से होगी।

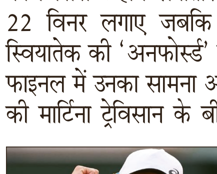

उमरान मलिक की स्पीड देख बोले शाहीन अफरीदी- स्विंग के बिना यह काम की नहीं

लाहौर (एजेंसी)।

भारतीय तेज गेंदबाज उमरान मलिक की चर्चा पाकिस्तान में भी होने लगी है। बीते दिनों ही कामरान अकमल ने बयान दिया था कि अगर उमरान पाकिस्तान में होते तो अब तक राष्ट्रीय टीम में भी खेल चुके होते। अब पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीद अफरीदी ने उमरान मलिक पर टिप्पणी दी है। आईपीएल 2022 में 157 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले उमरान में शाहीन को कोई खासियत नजर नहीं आ रही। शाहीन ने कहा कि जब आप क्रिकेट खेलते हैं तो आपके लिए सिर्फ स्पीड काम नहीं आती, यह स्विंग के बिना कुछ नहीं। अगर आपके पास स्विंग नहीं है तो आप कुछ खास नहीं कर सकते।

2021 का सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार जीतने वाले शाहीन ने कहा- यदि आप गेंद को स्विंग नहीं कर सकते तो गति आपकी मदद नहीं कर पाएगी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज की तैयारी कर रहे हैं। शाहीन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में बल्लेबाजों को अपनी स्विंग से परेशान किया। वह विंडीज के खिलाफ भी ऐसा ही करने की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने आगामी योजनाओं पर कहा- मौसम गर्म है लेकिन हम इसमें अच्छा क्रिकेट खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। तेज गेंदबाजों के लिए गर्मियों में लंबे स्पैल करना कठिन चुनौती होगी लेकिन एक पेशेवर के तौर पर हम इसका सामना करने के लिए तैयार हैं।

शाहीन ने निकोलस पूरन की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज टीम को मजबूत इकाई करार देते हुए कहा कि वे इस सीरीज को जीतना और विश्व चैंपियनशिप में महत्वपूर्ण अंक हासिल करना चाहेंगे। यह विश्व कप योग्यता के मामले में एक महत्वपूर्ण श्रृंखला है, इसलिए हम कोई मैच नहीं हारना चाहते हैं। साथ ही वेस्टइंडीज एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीम है और ऐसा नहीं है कि वे अंडर-19 खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए भेज रहे हैं। बता दें कि विंडीज के खिलाफ पाकिस्तान का पहला वनडे 8 जून से शुरू होगा। तीनों मैच मुल्तान में खेले जाने हैं।

नॉर्वे शतरंज : आनंद ने हाओ को हराया

नई दिल्ली । भारत के विश्वनाथन आनंद का नॉर्वे शतरंज में जीत का सिलसिला जारी है। आनंद ने टूर्नामेंट के क्लासिकल सेक्शन में चीन के वैंग हाओ को हराकर अपना लगातार तीसरा मुकाबला जीता है। इसी के साथ ही वह नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। आनंद ने रेग्युलर क्लासिक मैच 30 मूव्स के साथ ड्रॉ किया और फिर आर्मेगडन (सडन डेथ गेम) में मुकाबला जीत लिया। इससे पहले उन्होंने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और बुल्गारिया के वेसलिन टोपालव को भी पराजित किया था। वहीं टूर्नामेंट के दूसरे दौर में खेले गए अन्य मैचों में , वाचिएर-लाग्रेव ने शखरियार मामेदयारोव को हराया जबकि तैमूर रादजाबोव ने नार्वे के आर्यन तारी से बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड के अनीश गिरी और वांग हाओ के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा।

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरीमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।

भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12–15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्थ में 25–30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम य डाइथेम –एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25–30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5–7 सेमी रखें और बीज को 3–5 सेमी गहराई पर बुवाई करें

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25–30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें – जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10–15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

– फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां–20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15–20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140–150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इस बड़ी परेशानी के कारण तुर्की ने अपना नाम बदलकर किया तुर्किये, संयुक्त राष्ट्र ने दी मंजूरी

अंकारा। तुर्की के विदेश मंत्री मेवलुत कावुसोग्लू ने संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र भेजकर औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि उनके देश को 'तुर्किये' के रूप में संदर्भित किया जाए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया है। सरकार द्वारा संचालित समाचार एजेंसी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस कदम को अंकारा द्वारा देश की छवि में बदलाव करने और पक्षी, टर्की तथा इसके साथ जुड़े कुछ नकारात्मक अर्थों से अपना नाम अलग करने के लिए प्रयास के हिस्से के रूप में देखा जाता है। अनादोलु एजेंसी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार देर रात पत्र मिलने की पुष्टि की। एजेंसी ने दुजारिक के हवाले से कहा कि नाम परिवर्तन 'उस क्षण से' प्रभावी हो गया था जब पत्र प्राप्त हुआ था। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन की सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नाम तुर्की को 'तुर्किये' (तूर-की-येय) में बदलने के लिए दबाव डाल रही है क्योंकि यह तुर्की में वर्तनी और उच्चारण है। स्वतंत्रता की घोषणा के बाद 1923 में देश ने खुद को 'तुर्किये' कहा था। दिसंबर में, एर्दोआन ने तुर्की संस्कृति और मूल्यों का बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए 'तुर्किये' के उपयोग का आदेश दिया, जिसमें निर्यात उत्पादों पर 'मेड इन तुर्की' के बजाय 'मेड इन तुर्किये' का उपयोग करने की मांग शामिल थी। तुर्की के मंत्रालयों ने आधिकारिक दस्तावेजों में 'तुर्किये' का उपयोग करना शुरू कर दिया। इस साल की शुरूआत में, सरकार ने नाम अंग्रेजी में बदलने के अपने प्रयासों के तहत एक प्रचार वीडियो भी जारी किया था। वीडियो में दुनिया भर के पर्यटकों को प्रसिद्ध स्थलों पर 'हैलो तुर्किये' कहते हुए दिखाया गया है।

पाकिस्तानी तालिबान ने इस्लामाबाद में सरकार के साथ संघर्ष विराम को अनिश्चित काल तक बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी तालिबान ने बृहस्पतिवार को बताया कि उन्होंने अफगान तालिबान की मेजबानी में पाकिस्तानी कबायली नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दो दिनों की बातचीत के बाद, इस्लामाबाद में सरकार के साथ संघर्ष विराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान समूह या टीटीपी के प्रवक्ता मोहम्मद खुरासानी के अनुसार, कबायली नेताओं के 50 सदस्यीय दल के साथ बातचीत में ह्यह्यसंतोषजनक प्रगतिह्वह्व के बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने न तो इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी दी और न ही संघर्ष विराम के विस्तार के बारे में पाकिस्तानी सरकार की ओर से तत्काल कोई पुष्टि की गई। पाकिस्तानी तालिबान एक अलग समूह है, लेकिन वह अफगान तालिबान के साथ संबद्ध है, जिन्होंने पिछले अगस्त में अफगानिस्तान में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। टीटीपी ने पिछले 14 साल से पाकिस्तान में इस्लामी कानूनों को सख्ती से लागू करने, देश में सरकारी बलों की हिरासत से अपने सदस्यों की रिहाई और देश के पूर्व कबायली क्षेत्रों में पाकिस्तानी सैन्य उपस्थिति में कमी के लिए विद्रोह छेड़ा हुआ है। टीटीपी के प्रवक्ता खुरासानी ने कहा कि आने वाले दिनों में काबुल में बातचीत जारी रहेगी। अफगान तालिबान की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया है, जिन्होंने पहले केवल यह कहा था कि वह वार्ता के लिए तटस्थ आधार प्रदान करेंगे। अफगानिस्तान में तालिबान भी पाकिस्तान में नई सरकार को पाकिस्तानी तालिबान के साथ शांति समझौता करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। दोनों पक्षों के बीच पिछला संघर्ष विराम 30 मई को समाप्त हो गया था।

जयशंकर ने की ऑस्ट्रियाई समकक्ष से मुलाकात; अफगानिस्तान व हिंद-प्रशांत की स्थिति पर की चर्चा

ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां अपने ऑस्ट्रियाई समकक्ष अलेक्जेंडर शैलेनबर्ग से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय मुद्दों के साथ ही अफगानिस्तान और हिंद-प्रशांत की स्थिति पर चर्चा की। जयशंकर स्लोवाकिया और चेक गणराज्य के दो देशों के अपने दौरे के पहले चरण में बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, ऑस्ट्रिया के मेरे दोस्त शैलेनबर्ग से मिलकर बहुत अच्छा लगा। मार्च की यात्रा के बाद से दोनो देशों के द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर गौर किया। हमने यूक्रेन-रूस के संघर्ष और इसके प्रभावों पर उनके दृष्टिकोण की सराहना की। अफगानिस्तान और हिंद-प्रशांत की स्थिति पर भी चर्चा की। जयशंकर की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब यूरोप यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के प्रभावों से जूझ रहा है। दो से चार जून तक स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में अपने प्रवास के दौरान जयशंकर प्रधानमंत्री एडुआर्ड हेगर से मुलाकात करेंगे और विदेश मंत्री इवान कोरकोक के साथ द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्री ग्लोबसेक-2022 फोरम में भी शामिल होंगे। जयशंकर स्लोवाकिया और चेक गणराज्य में भारतीय छात्रों सहित भारतीय प्रवासियों से भी बातचीत करेंगे।

5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए वैक्सीन की पहली खुराक 21 जून तक संभव

वाशिंगटन।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि संघीय नियामक उम्मीद के मुताबिक टीकाकरण को अधिकृत करते हैं तो पांच साल से कम उम्र के बच्चे 21 जून तक अपनी पहली कोरोना रोधी टीकाकरण खुराक प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं। व्हाइट हाउस कोविड-19 के समन्वयक आशीष झा ने टीकाकरण के लिए अंतिम शेष अपात्र आयु वर्ग के लिए प्रशासन की योजना को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन के सलाहकारों का बाहरी पैनल 14-15 जून को छोटे बच्चों के लिए फाइजर और मॉडर्ना खुराक का मूल्यांकन करने के लिए बैठक करेगा। झा ने कहा कि एफडीए की ओर से मंजूरी मिलने के बाद तत्काल ही अस्पतालों और बाल चिकित्सा देखभाल केंद्रों को टीके की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

पाक में फिर 30 रुपये महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल, इमरान खान से साधा शरीफ सरकार पर निशाना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में महंगाई कम नहीं हो रही है। पाकिस्तान (पाक) में फिर से पेट्रोल-डीजल महंगे हो गए हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 30 रुपये की वृद्धि की गई है। अब इस पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मौजूदा शहबाज शरीफ की सरकार पर निशाना साधा है। अपने ट्वीट में इमरान खान ने लिखा कि आयातित सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों में 40 फीसदी या 60 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। इससे जनता पर 900 अरब रुपये का बोझ बढ़ेगा और बुनियादी जरूरतों में कीमतों में बढ़ोतरी होगी। साथ ही, बिजली की कीमतों में 8 रुपये की बढ़ोतरी पूरे देश को सदमे में डाल देगी। महंगाई दर 75 साल में सबसे ज्यादा 30 फीसदी होने की उम्मीद है। इमरान खान ने लिखा कि हमारी सरकार ने कोरोना का दबाव बनाए रखा और 1200 अरब रुपये का आर्थिक पैकेज दिया। उन्होंने दावा किया कि इस वर्ष अकेले हमने बिक्री कर को शून्य प्रतिशत कर दिया और साथ ही अपनी जनता की सुरक्षा के लिए 466 अरब रुपये की ऊर्जा सब्सिडी प्रदान की।

लंदन में महारानी एलिजाबेथ के प्लैटिनम जुबली समारोह की आकृति बकिंघम पैलेस पर नजर आयी।

प्लैटिनम जुबली समारोह में शामिल नहीं होंगी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, ठीक नहीं है तबीयत

लंदन। ब्रिटेन की महारानी के राजगद्दी संभालने के 70 वर्ष पूरे होने पर देशभर में चार दिन का प्लैटिनम जुबली समारोह मनाया जा रहा है। बकिंघम पैसेल से बाहर एकत्र लोगों में उस वक्त खुशी की लहर दौड़ गई जब महारानी एलिजाबेथ द्वितीय बाहर बालकनी में आईं और उन्होंने मुस्कुराते हुए अपने प्रशंसकों का अभिवादन स्वीकार किया। कोरोना वायरस के संक्रमण की शुरूआत के बाद से ब्रिटेन में यह सबसे बड़ा आयोजन है। एलिजाबेथ द्वितीय 96 वर्ष की हैं और वह सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही दिखाई देती हैं। ऐसे में लोग उनकी एक झलक पाने और सैन्य परेड 'ट्रूपिंग द कलर' देखने के लिए घंटों इंतजार करते देखे गए। एलिजाबेथ जब महज 25 वर्ष की थीं तब उनकी ताजपोशी की गई थी। वह इस गद्दी को सबसे ज्यादा वक्त तक संभालने वाली हस्ती हैं और सात दशक से इस पद पर काबिज हैं। बकिंघम पैलेस ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि महारानी शुक्रवार को गिरजाघर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी क्योंकि दिन में एक कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद उन्हें 'कुछ बेचैनी' महसूस हुई थी। पैलेस ने कहा कि राजशाही ने सेंट पॉल कैथेड्रल में सेवा कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है। महारानी एलिजाबेथ ने विंडसर कैसेल में बृहस्पतिवार की रात आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। यह जुबली समारोह सप्ताहांत तक चलेगा। पैलेस ने कहा कि 'क्वीन को बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में बहुत आनंद आया।' प्लेटिनम जुबली के रंगारंग कार्यक्रमों की शुरूआत बृहस्पतिवार को सेना की परेड के साथ हुई।

इमरान के तीन टुकड़े वाले बयान पर पाकिस्तान में मचा बवाल

जरदारी ने पीएम मोदी का नाम लेते हुए कही ये बात

ब्रिटेन (एजेंसी)

इमरान खान ने ऐसा बयान दे दिया जिसके बाद पाकिस्तान में बवाल मच गया। इमरान खान ने चेतावनी दी है कि अगर सेना ने सही फैसला नहीं लिया तो देश तीन टुकड़ों में बंट जाएगा। इमरान के इस बयान पर पाकिस्तान में हंगामा मच गया। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिम अली जरदारी ने भी इमरान खान के बयान की निंदा की है। इसके साथ ही इमरान पर निशाना साधते हुए उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इसमें शामिल कर लिया है। पूर्व राष्ट्रपति और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के को-चेयरमैन आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि इमरान खान की भाषा किसी पाकिस्तानी की नहीं बल्कि मोदी की भाषा लग रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी पाकिस्तानी देश के तीन टुकड़ों में तोड़े जाने की बात नहीं कह सकता है।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति ने इमरान खान को नसीहत देते हुए कहा कि सत्ता ही सबकुछ नहीं है, बहादुर बनो और खुद के पैरों पर खड़े होकर राजनीति करो। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को टुकड़ों में तोड़ने की इच्छा तब तक पूरी नहीं हो सकती, जब तक हम और हमारे वंशज हैं। कयामत के दिन तक पाकिस्तान का वजूद रहेगा। इसके साथ ही पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पीएमएल एन नेता तलाल चौधार ने भी इमरान के बयान की निंदा करते हुए कहा कि मानसिक रूप से बीमार शख्स ही इस तरह की बातें कर सकता है।

इमरान ने क्या कहा था ?

पाकिस्तान के निजी टीवी चैनल पर बयान देते हुए इमरान खान ने कहा कि जब से नई सरकार आई है पाकिस्तान बैंक करप्सी की तरफ जा रहा है। फौज और मुल्क तबाह होंगे और पाकिस्तान के तीन टुकड़े हो जाएंगे। इमरान खान ने दावा किया है कि विदेशों में भारतीय थिंक टैंक बलूचिस्तान को अलग करने की योजना बना रहा है। भारतीय थिंक टैंक के पास योजनाएं हैं और इसलिए मैं चेतावनी दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आत्महत्या की कगार पर है और अगर सही फैसले नहीं लिए गए तो इसका सबसे पहला शिकार सेना होगी और यूक्रेन की तरह से हमारे भी परमाणु बम चले जाएंगे।

यूक्रेन में युद्ध अपराध के लिए रूस को जवाबदेह ठहराएगा अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूसी बलों द्वारा पूर्वी यूरोपीय देश में किए गए युद्ध अपराधों के लिए मॉस्को को जवाबदेह ठहराने का संकल्प लिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री उजरा जेया ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघनों के लिए जवाबदेही और न्याय को मजबूत करने से जुड़ी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, 'लगभग 100 दिनों में दुनिया ने रूसी सेना को यूक्रेन में प्रसूति केंद्रों, रेलवे-सबवे स्टेशनों, अपार्टमेंट और मकानों पर गोलाबारी करते देखा है। यहां तक कि सड़कों पर साइकिल चलाने वाले नागरिकों को भी निशाना बनाया गया है।'

जेया ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध अपराधों की व्यापक अंतरराष्ट्रीय जांच का समर्थन करने के लिए अमेरिका लगातार अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। वहीं, आयरलैंड के अटॉर्नी जनरल पॉल गैलाघर ने यूक्रेन में न्याय के आह्वान का समर्थन करने के लिए

पिछले तीन महीनों में किए गए प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आयरलैंड उन 41 देशों में से एक था, जिन्होंने यूक्रेन की स्थिति को तत्काल अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) में भेजा। गैलाघर ने कहा कि आईसीसी ने रूसी सेना के अपराधों की जांच और यूक्रेन के प्रयासों का समर्थन करने के लिए 42 जांचकताओं, फॉरेंसिक विशेषज्ञों व अन्य कर्मचारियों का एक दल तैनात किया है। बैठक में संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वसीली नेबेंजिया ने यूक्रेन में अपने कथित 'विशेष सैन्य अभियान' को अचानक अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायायालय में ले जाने को लेकर पश्चिमी देशों पर 'पाखंड' करने का आरोप लगाया।

भारतीय अमेरिकी हरिनी लोगन ने जीता नेशनल स्पेलिंगबी का खिताब, टाईब्रेकर मुकाबले में हुई कांटे की टक्कर

ओक्सन हिल (अमेरिका)।

हरिणी लोगान को पहले 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंगबी' से बाहर कर दिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस प्रतियोगिता में दोबारा शामिल कर लिया गया। दरअसल, विक्रम राजू के खिलाफ जबरदस्त टक्कर में वह चार शब्दों से चूक गई थीं, जिसमें एक शब्द ऐसा भी था, जो उन्हें खिताब दिला सकता था।

हालांकि, 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंगबी' प्रतियोगिता के सांसें थमा देने वाले पहले 'टाईब्रेकर' मुकाबले में हरिणी ने आखिरकार यह खिताब हासिल कर लिया। टेक्सास की कक्षा आठ की छात्रा हरिणी (13) ने 90 सेकंड के 'स्पेल-ऑफ' के दौरान 21 शब्दों की स्पेलिंग व अर्थ सही-सही बताया और विक्रम राजू को छह अंक से हराया। हरिणी स्पेलिंगबी प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतियोभागियों में से एक हैं

और अपनी शिष्टता व सकारात्मकता के कारण वह आयोजन स्थल पर मौजूद सभी लोगों की पसंदीदा बनकर उभरीं। उन्होंने 50,000 डॉलर से अधिक नकद और पुरस्कार जीता है। हरिणी ने बेहद तेजी से जवाब दिया और पूरे समय खिताबी दौड़ में बनी रहीं। अंत में निर्णायक मंडल ने हरिणी और विक्रम के अंकों का अंतिम मिलान करने के बाद उनकी जीत की पुष्टि की।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन घट रही लोकप्रियता, ट्रंप की हो सकती है वापसी?

न्यूयॉर्क (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की लोकप्रियता लगातार घट रही है, मतदाताओं के बीच गिरती साख से वे जूझ रहे हैं, क्योंकि कई सर्वेक्षणों से पता चलता है कि 2021 से उनकी रेटिंग 36 फीसदी तक गिर रही है। हालांकि यह 6 प्रतिशत बढ़कर 42 प्रतिशत तक पहुंच गया, फिर भी वह मतदाताओं, विशेष रूप से युवा गोरों और हिस्पैनिक लोगों के बीच अलोकप्रिय बने रहे। हालांकि एक मामूली कारण से बाइडेन की सार्वजनिक अनुमोदन रेटिंग इस सप्ताह छह प्रतिशत अंक बढ़कर 42 प्रतिशत हो गई, एक सप्ताह पहले जब यह उनके राष्ट्रपति पद के निम्नतम स्तर तक गिर गया था।

अगस्त 2021 से बाइडेन की अनुमोदन रेटिंग 50 प्रतिशत से नीचे गिरने के साथ सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में खतरे की घंटी बज रही है, जिससे 8 नवंबर के मध्यावधि चुनावों में कांग्रेस के कम से कम एक कक्ष में संभावनाओं के बारे में आशंका बढ़ गई है। 2022 के मध्यावधि चुनाव 2020 की आम सहमति (जैसे भारत के निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन) को प्रतिबंधित करने के लिए आवश्यक हैं, यह दशार्ता है कि कांग्रेस में 100 में से 35 सीटें मतपत्र पर हैं, जबकि प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटें हथियाकर देश पर शासन किया जा रहा है। प्रवास के कारण जनसंख्या वृद्धि या कमी पर आधारित प्रतिबंध एक निर्वाचन क्षेत्र में कई उम्मीदवारों को खड़ा कर सकता है या संख्या कम कर सकता है।

बाइडेन प्रशासन की मेज पर कई समस्याएं हैं, मुद्रास्फीति में वृद्धि से लेकर यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के साथ ईंधन की कीमतें (इस सप्ताह 6 डॉलर प्रति गैलन) अधिक हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला अभी भी कोविड-19 द्वारा बाधित है। महामारी, शिशु आहार की कमी, और बुफेलो और टेक्सास में गोलीबारी पर जनता का आक्रोश के साथ ही देश के 62.5 प्रतिशत लोगों ने 'गन कंट्रोल' कानून की मांग की।

रिपब्लिकन के बीच भी, बंदूक नियंत्रण का आह्वान 37 प्रतिशत से बढ़कर 44 प्रतिशत हो गया है, यहां तक कि बाइडेन पर्याप्त समर्थन के अभाव में कांग्रेस में एक निर्णय को यह कहते हुए टाल देते हैं कि 'इस हिंसा को समाप्त करना होगा'। राष्ट्रपति की लोकप्रियता हालांकि अपनी ही पार्टी के भीतर पिछले सप्ताह के 72 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई। विपक्ष में, केवल 12 प्रतिशत रिपब्लिकन कार्यालय में उनके प्रदर्शन को मंजूरी देते हैं।

रायटर्स/इप्सोस पोल ने कहा, पिछले हफ्ते बाइडेन की समग्र अनुमोदन रेटिंग ने उनके पूर्ववर्ती, डोनाल्ड ट्रम्प के निम्न स्तर को प्रतिद्वंद्वी बना दिया, जिनकी लोकप्रियता दिसंबर 2017 में 33 प्रतिशत से नीचे थी। नवीनतम सर्वेक्षण में 435 डेमोक्रेट और 371 रिपब्लिकन सहित कुल 1,005 वयस्कों से प्रतिक्रियाएं मिलीं।

जैसे-जैसे उनकी राजनीतिक दुर्दशा बढ़ती है, बाइडेन अपने कर्मचारियों को एक अधिक सम्मोहक संदेश और एक तेज रणनीति के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अमेरिका में एक मीडिया रिपोर्ट कहती है कि लोग हैरान हैं कि कैसे कर्मचारियों ने उनके सादे बोलने वाले व्यक्तित्व, उनकी सबसे शक्तिशाली संपत्ति को दबाने की कोशिश की। राष्ट्रपति के करीबी लोगों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुमोदन रेटिंग में गिरावट से परेशान बाइडेन मतदाताओं के विश्वास को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। बाइडेन को अयोग्य दिखाने के लिए व्हाइट हाउस में संकटों का ढेर लग गया है। रिकॉर्ड मुद्रास्फीति, गैस की ऊंची कीमतें, कोविड मामलों की संख्या में वृद्धि और अब एक टेक्सास स्कूल नरसंहार, जिसके बाद बंदूक से हिंसा को रोकने के लिए कानून की मांग की जा रही है। डेमोक्रेटिक नेताओं का अनुमान है कि वह नवंबर तक अपनी संभावनाओं को पुनर्जीवित कर सकते हैं और मध्यावधि चुनावों में कांग्रेस पर उनकी पार्टी का नियंत्रण हो सकता है। हालांकि, अगर कांग्रेस 50:50 का विभाजन करती है, तो उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अभी भी कांग्रेस में लोकतांत्रिक सत्ता बनाए रखने के लिए अपना वोट डाल सकती हैं।

पूरे 2021 में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले हुए, अमेरिकी विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी विदेश विभाग ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संसद को सौंपी गई अपनी वार्षिक रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि भारत में 2021 में अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर पूरे साल हमले हुए जिनमें हत्याएं और धमकाने के मामले भी शामिल हैं।

विदेश विभाग के 'फॉगी बॉटम' मुख्यालय में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा जारी की गई, रिपोर्ट दुनिया भर में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति और उल्लंघन के लिए अपना दृष्टिकोण देती है और इसमें प्रत्येक देश पर अलग-अलग अध्याय हैं। भारत ने पहले अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उसे किसी विदेशी सरकार द्वारा अपने नागरिकों के संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकारों के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

रिपोर्ट का भारत खंड धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर कोई राय देने से बचता है, लेकिन इसके विभिन्न पहलुओं का दस्तावेजीकरण करता है जैसा कि भारतीय प्रेस और भारत सरकार की रिपोर्ट में छपा है। यह रिपोर्ट विभिन्न गैर-लाभकारी संगठनों और अल्पसंख्यक संस्थानों द्वारा उन पर हमलों के आरोपों को भी उदारतापूर्वक उद्धृत करती है, लेकिन ज्यादातर समय अधिकारियों द्वारा की जा रही जांच के परिणामों, सरकार की प्रतिक्रियाओं पर काफी चुप रहती है। रिपोर्ट के भारत खंड में कहा गया, 'धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर हमले, मारपीट और डराने-धमकाने सहित, पूरे साल होते रहे। इनमें गोहत्या या गोमांस के व्यापार के आरोपों के आधार पर गैर-हिंदुओं के खिलाफ 'गौ सतर्कता' की घटनाएं शामिल थीं।' यह आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान का भी उल्लेख करती है कि भारत में हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए एक ही है और उन्हें धर्म के आधार पर अलग नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट कहती है, 'जुलाई में, आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत, जिन्हें आमतौर पर भारत की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के वैचारिक संरक्षक के रूप में माना जाता है, ने सार्वजनिक रूप से कहा कि भारत में हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए एक ही है और उन्हें धर्म के आधार पर अलग नहीं किया जाना चाहिए।' भागवत ने कहा, 'देश में कभी भी हिंदुओं या मुसलमानों का प्रभुत्व नहीं हो सकता है, केवल भारतीयों का ही प्रभुत्व हो सकता है।' उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को इस बात से डरना नहीं चाहिए कि भारत में इस्लाम खतरे में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने यह भी कहा कि गोहत्या के लिए गैर-हिंदुओं की हत्या हिंदू धर्म के खिलाफ है। रिपोर्ट में उल्लेख है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 सितंबर को सार्वजनिक रूप से कहा था कि उत्तर प्रदेश में पहले की सरकारों ने लाभ वितरण में मुस्लिम वर्ग का पक्ष लिया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस ने गैर-हिंदुओं को मीडिया या सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणी करने के लिए गिरफ्तार किया, जिन्हें हिंदुओं या हिंदू धर्म के लिए अपमानजनक माना जाता था।

सार समाचार

लाउडस्पीकर का मुद्दा हमेशा के लिए खत्म करना होगा, व्यापक समर्थन की जरूरत : राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि (मस्जिदों पर लगे) लाउडस्पीकर के मुद्दे को स्थायी रूप से समाप्त करना होगा लेकिन इसके लिए लोगों के व्यापक समर्थन की जरूरत होगी। राज ठाकरे ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट एक पत्र में कहा कि मनसे द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने के बाद लाउडस्पीकर एक राष्ट्रीय मुद्दा बन गया। उन्होंने पत्र में कहा, हमें लाउडस्पीकर के मुद्दे को स्थायी तौर पर समाप्त करना होगा। आपको केवल यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि मेरा यह पत्र उन क्षेत्रों में हर घर तक पहुंचे जहां आप लोग रहते हैं। हमें अपनी मांग (लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध) के लिए लोगों के व्यापक समर्थन की जरूरत है।' मनसे की दलील है कि उसका लाउडस्पीकर अभियान धार्मिक से कहीं अधिक सामाजिक है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने कर दी पाकिस्तान की खिंचाई

नई दिल्ली । भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान की खिंचाई की। भारत ने कहा कि पड़ोसी देश इसका ह्यजीता-जागता उदाहरण है, कि कैसे कोई राष्ट्र नरसंहार और जातीय सफाये जैसे गंभीर अपराधों पर जवाबदेही से बचता रहता है। भारत ने कहा कि वह सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों का जवाब देने के लिए ठोस और निर्णायक कदम उठाना जारी रखेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर/कानूनी सलाहकार डॉ. काजल भट ने सुरक्षा परिषद में कहा कि उन्हें पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा फैलाए गए कुछ झूठ और दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार का जवाब देना पड़ रहा है, क्योंकि वह इस तरह की हरकत करने के आदी हैं। भट ने कहा, आज हम चर्चा कर रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए जवाबदेही और न्याय को कैसे मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा, 50 साल पहले पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार के पाकिस्तान के शर्मनाक इतिहास के कारण बांग्लादेश अस्तित्व में आया, जिसे कभी स्वीकारा नहीं गया, न ही कभी माफी मांगी गई और न ही कोई जवाबदेही तय की गई। भट ने कहा कि पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद परिषद के अध्यक्ष अल्बानिया की अध्यक्षता में 'अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए जवाबदेही और न्याय को मजबूत करने' पर खुली बहस हुई। इससे पहले, दिन में परिषद की बहस में विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि जवाबदेही और न्याय को राजनीतिक लाभ से नहीं जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के प्रतिनिधि सुरक्षा परिषद के सामने जीता-जागता उदाहरण पेश करते हैं कि कैसे एक देश नरसंहार और जातीय सफाये के गंभीर अपराधों को लेकर जवाबदेही से बचता रहता है। शायद इस पर विचार करने की बात कहना बहुत बड़ी मांग होगी, लेकिन वह कम से कम इतना कर सकते हैं, कि इस परिषद की गरिमा न भंग करें। भट ने कहा कि 'ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार' में बेकसूर महिलाओं, बच्चों, शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों को हथियार के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा, 'तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान की आबादी पर पाकिस्तान द्वारा चलाए गए आतंक के शासन में हजारों लोगों को बेरहमी से मार डाला गया, हजारों महिलाएं बलात्कार का शिकार हुईं। भट ने कहा कि पाकिस्तान केवल यही योगदान दे सकता है कि वह भारत और उसके लोगों के खिलाफ आतंकवाद को अपना समर्थन बंद करे। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के स्वरूप में तथाकथित परिवर्तनों की भी बात की।

कोरोना ने फिर पकड़ी रफ्तार तीन महीने बाद एक दिन में मिले 4 हजार से ज्यादा केस

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की डेली कोविड टैली ने करीब तीन महीने के बाद 4,000 का आंकड़ा पार कर लिया। बीते दिन 4,041 नए मामले दर्ज हुए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 10 मौतें दर्ज की गईं और अब कुल मौतों का आंकड़ा 5,24,651 पहुंच गया है। वहीं, कुल पीड़ितों की संख्या 4.31 करोड़ से ज्यादा हो गई है। महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोना से संक्रमण के 1,045 नए मामले सामने आए और एक संक्रमित की मृत्यु हो गई। राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,559 हो गई। यहां बुधवार को संक्रमण के 1,081 नए मामले आए थे लेकिन संक्रमण से मृत्यु का कोई मामला सामने नहीं आया था। बुधवार को मामलों में बढ़ोतरी 24 फरवरी के बाद सर्वाधिक थी। गुरुवार को मुंबई में अकेले 704 मामले सामने आए।

पश्चिम बंगाल में महिलाओं के विकास के लिए ममता बनर्जी ने शुरू की ''कन्याश्री प्लस' योजना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग ने सामाजिक परिवर्तन के लिए ज्ञान कौशल से किशोरियों को सशक्त बनाने के मकसद से राज्य के सभी जिलों में हर महीने 'कन्याश्री प्लस' योजना से जुड़ी गतिविधियों को आयोजित करने का निर्णय लिया है। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने यह जानकारी दी। पांजा ने कहा, 'हम 'कन्याश्री प्लस' योजना की सभी पहलों को एक मंच के तहत ला रहे हैं और हर जिला प्रशासन से हर महीने ऐसी गतिविधियां आयोजित करने के लिए कहा गया है। ये गैर-नकद गतिविधियां हैं।' 'कन्याश्री प्लस' एक बहुआयामी योजना है, जो न केवल किशोरियों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के अवसर पैदा करने का भी प्रयास करती है। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग ने बृहस्पतिवार को ह्यकिशोर कार्यक्रम और बाल विवाह के खिलाफ जिला कार्य योजना सम्मेलन' का आयोजन किया। इसमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा सिनी इंडिया, चाइल्डलाइन, क्राई जैसी विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधियों और यूनिसेफ की राज्य इकाई के सदस्यों ने किशोरों के सशक्तिकरण के मुद्दे पर चर्चा की। मंत्री ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ जिला स्तर पर कार्य योजना बनाने और इस मुद्दे को लेकर लोगों में जागरूकता का स्तर बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'हमने गांवों और प्रखंडों तथा वार्ड और नगर के बीच के मुद्दों को हल करने के लिए अन्य बाल संरक्षण समितियों के गठन पर चर्चा की। वे बाल विवाह, तस्करी के साथ-साथ यह भी देखेंगी कि लड़कियां स्कूल जा रही हैं या नहीं? कहीं वे खून की कमी से तो नहीं जूझ रही हैं?' पांजा ने कहा कि कार्यशाला में 'पालक देखभाल दिशा-निर्देश' पर भी चर्चा हुई। उन्होंने 'मासिक धर्म स्वच्छता ट्रैकर', 'वित्तीय साक्षरता मॉड्यूल', 'बाल विवाह समाप्त करने से जुड़ी योजनाओं के लिए दिशा-निर्देश' और 'पालक देखभाल 2021 पर पश्चिम बंगाल दिशा-निर्देश' संबंधी प्रकाशनों का अनावरण भी किया।

राष्ट्रपति के गांव से विपक्ष पर बरसे मोदी,

कहा- देश के कोने-कोने में ये परिवारवादी मेरे खिलाफ एक जुट हो रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद गांव परौंख पहुंचे थे जो कि कानपुर देहात में पड़ता है। दोनों ने मिलन केंद्र का दौरा किया जो कि राष्ट्रपति का पैतृक घर है जिसे सार्वजनिक उपयोग के लिए दान कर दिया गया था और एक सामुदायिक केंद्र (मिलान केंद्र) में परिवर्तित किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भी दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां आकर वाकई मन को बहुत सुकून मिला है। इस गांव ने राष्ट्रपति जी का बचपन भी देखा है और बड़े होने पर उनको हर भारतीय का गौरव बनते हुए भी देखा है। यहां आने से पहले राष्ट्रपति जी ने मुझसे इस गांव से जुड़ी कई यादें भी साझा की।

मोदी ने कहा कि आज राष्ट्रपति जी के गांव में आने का मेरा ये अनुभव एक सुखद स्मृति की तरह है। जब मैं राष्ट्रपति जी के साथ विभिन्न स्थानों को देख रहा था, तो मैंने भारत के गांव की कई आदर्श छवियों को भी महसूस किया। उन्होंने कहा कि परोपकार की मिट्टी से राष्ट्रपति जी को जो संस्कार मिले हैं उसकी साझी आज दुनिया बन रही है। मैं देख रहा था कि एक तरफ संविधान और दूसरी तरफ संस्कार। आज राष्ट्रपति जी ने पद के द्वारा बनी हुई सारी मयार्दाओं से बाहर निकलकर मुझे आज हैरान कर दिया कि वे स्वयं हेलीपैड पर मुझे लेने आए। मैंने कहा राष्ट्रपति जी आपने मेरे साथ अन्याय कर दिया, तो उन्होंने सहज रूप से कहा कि संविधान की मयार्दाओं का पालन तो मैं करता हूं लेकिन कभी-कभी संस्कार की भी अपनी ताकत होती है। आज आप मेरे गांव आए हैं, मैं यहां पर अतिथि का सत्कार करने आया हूं, राष्ट्रपति के रूप में नहीं आया हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति जी ने अपने पैतृक आवास को मिलन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए दे दिया था। आज वो विमर्श और ट्रेनिंग सेंटर के तौर पर महिला सशक्तिकरण को नई ताकत दे रहा है। मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी भारत की आजादी को भारत के गाँव से जोड़कर देखते थे। भारत का गाँव यानी, जहां आध्यात्म भी हो, आदर्श भी हों! भारत का गाँव यानी, जहां परम्पराएँ भी हों, और प्रगतिशीलता भी हो! भारत का गाँव यानी, जहां संस्कार भी हो, सहकार भी हो! जहां ममता भी हो, समता भी हो। उन्होंने कहा कि हमारे गांवों के पास सबसे ज्यादा सामर्थ्य है, सबसे ज्यादा श्रम शक्ति है, और सबसे ज्यादा समर्पण भी है। इसलिए भारत के गांवों का सशक्तिकरण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

इसके साथ ही मोदी ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। मोदी ने कहा कि भारत में गांव में पैदा हुआ गरीब से गरीब व्यक्ति भी राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री-राज्यपाल-मुख्यमंत्री के पद पहुंच सकता है। आज जब हम लोकतन्त्र की इस ताकत की चर्चा कर रहे हैं तो हमें इसके सामने खड़ी परिवारवाद जैसी चुनौतियों से भी सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ये परिवारवाद ही है जो राजनीति ही नहीं,बल्कि हर क्षेत्र में प्रतिभाओं का गला घोंटता है, उन्हें आगे बढ़ने से रोकता है। मैं देख रहा हूं कि जो लोग परिवारवाद की मेरी व्याख्या में सही बैठते हैं वो लोग मुझसे भड़के हुए हैं। देश के कोने-कोने में ये परिवारवादी मेरे खिलाफ एक जुट हो रहे हैं। वो इस बात से भी नाराज हैं कि क्यों देश का युवा परिवारवाद के खिलाफ मोदी की बातों को इतना गंभीरता से ले रहा है। मैं इन लोगों को कहना चाहता हूं कि मेरी इस बात का गलत अर्थ ना निकालें। मेरी किसी राजनीतिक दल से या किसी व्यक्ति से कोई व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है। मैं तो चाहता हूं कि देश में एक मजबूत विपक्ष हो, लोकतंत्र को समर्पित राजनीतिक पार्टियां हों।

तुर्की ने रुबेला वायरस बताकर गेंहू भारत को लौटाया, उसी गेंहू को मिस्त्र भेज दिया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

तुर्की ने भारत का जो गेहूं खराब बता लौटा दिया था, अब गेहूं की उस खेप को मिस्त्र भेज दिया गया है। मिस्त्र ब्रेड की कमी से जूझ रहा है। गेहूं के सबसे बड़े आयातकों में से एक मिस्त्र, भारत सहित अन्य देशों से कम कीमत पर गेहूं खरीदना चाहता है।

सूत्रों ने बताया, तुर्की ने जिस गेहूं को गुणवत्ता खराब बताकर लेने से इनकार कर दिया था, उस मिस्त्र भेज दिया गया है। भारत ने 13 मई को गेहूं के निर्यात पर बैन लगा दिया था। इससे पहले ही भारत ने तुर्की के लिए गेहूं की 56,000 टन की खेप को मंजूरी दे दी थी। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा कि गेहूं की खेप को भारत से रवाना करने से पहले क्वारंटीन और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं को पूरा किया गया था।

उन्होंने कहा कि गेहूं की खेप लेने से इनकार करने पर अभी तुर्की के अधिकारियों से बात नहीं हो सकी है। पांडेय ने कहा, गेहूं की यह खेप भारतीय कंपनी आईटीसी लिमिटेड की थी। मुझे बताया गया कि इस सौदे को लेकर वित्तीय लेनदेन पूरा हो गया था। भारतीय कंपनी ने यह गेहूं एक विदेशी कंपनी को बेचा था, जहां से यह गेहूं तुर्की की कंपनी के पास पहुंचा। तुर्की ने भारत के गेहूं में रुबेला वायरस की शिकायत की थी एसएंडपी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स की रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत के गेहूं मे रुबेला वायरस पाए जाने की वजह से लौटा दिया गया था। आईटीसी के प्रवक्ता ने कहा, आईटीसी ने नीदरलैंड्स की एक कंपनी को यह गेहूं बेचा था। गेहूं की जांच और सभी तरह की मंजूरियों के बाद ही इस खेप को भेजा गया था। इस बारे में तुर्की और मिस्त्र के दूतावासों ने कोई जवाब नहीं दिया है। सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि पांच देशों ने गेहूं निर्यात पर बैन के बाद आधिकारिक रूप से भारत से गेहूं मांगा है। सरकार का कहना है कि अब से निजी कंपनियों को नहीं बल्कि सरकारों को ही गेहूं बेचा जाएगा।

घटनाक्रम से वाकिफ निर्यातकों का कहना है कि गेहूं की खेप लगभग दो हफ्ते में तुर्की पहुंची थी। हो सकता है कि इस दौरान तापमान में बदलाव और नमी से गेहूं खराब हो गया हो। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि गेहूं में वायरस होने की संभावना नहीं होगी। उन्होंने कहा, रुबेला वायरस बीज या मिट्टी में संक्रमण की वजह से होता है। जहाज में गेहूं लादे जाने से पहले इसका पता लगाया जा सकता था। यह लापरवाही का मामला हो सकता है। एक्सपर्ट्स ने भारत के गेहूं में वायरस की लगातार मिल शिकायतों को लेकर चिंता जाहिर की है। इस साल की शुरूआत में इंडोनेशिया ने क्वालिटी का हवाला देकर भारत के कृषि उत्पादों को ठुकरा दिया था। एक्सपर्ट का कहना है कि इस तरह की घटनाओं का देश की प्रतिष्ठा पर बुरा असर पड़ता है। मंत्रालय को इस तरह के मामलों से निपटना चाहिए। इस तरह के मामले इसलिए पकड़ में नहीं आ पाते क्योंकि भारत में टेस्टिंग लैब सही तरीके से काम नहीं करते।

कश्मीर में क्यों नहीं रुक रहा हिंदुओं का कत्लेआम चुनौती बने हाइब्रिड आतंकी

जम्मू (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना कश्मीरी पंडितों की वर्षों पुरानी मांग थी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने उनके सपनों को साकार किया। इस सियासी घटनाक्रम के बाद कश्मीरी पंडितों की घरवापसी की उम्मीद जगी। कई अपने घर वापस भी आए। कुछ पहले से भी वहां रह रहे थे। यह बात आतंकवादियों को रास नहीं आ रही है। शायद इसलिए वे लगातार निर्दोष हिंदुओं को निशाना बना रहे हैं। घाटी वाले इलाकों में हाल के दिनों में कई टारगेट किलिंग यूं कहे तो हिंदुओं की हत्या की घटना सामने आई है। इससे वहां रहने वाले हिंदू सहम चुके हैं। कुछ जम्मू की तरफ पलायन कर चुके हैं। कुछ परिवारों ने वहां से निकलने मन बना लिया है। सरकार और प्रशासन के लिए इन दिनों सबसे बड़ी चुनौती उनके विश्वास को बनाए रखना है। इसके लिए हाइब्रिड आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करना एकमात्र विकल्प है, लेकिन यह आसान नहीं है। कश्मीर में हाल के दिनों में जितने भी टारगेट किलिंग की घटना सामने आई है, उनमें अधिकांश में हाइब्रिड आतंकवादियों की भूमिका सामने आई है। पुलिस ने कुछ को गिरफ्तार भी किया है, लेकिन इनपर लगाम लगाना स्थानीय प्रशासन के लिए आसान नहीं है। आतंकवादियों को पाकिस्तान से अल्पसंख्यकों, नागरिकों, ऑफ-ड्यूटी पुलिसकर्मियों, पंचायत सदस्यों और भारतीय समर्थक लोगों सहित सॉफ्ट टारगेट को निशाना बनाने के निर्देश मिले हैं, क्योंकि वे सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हमला करने में विफल रहे हैं। खुफिया सूत्रों का कहना है कि आतंकवादियों, जिनमें ज्यादातर कश्मीर में काम करने वाले पाकिस्तानी शामिल हैं, को जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के तौर-तरीकों को बदलने का काम सौंपा गया है। कश्मीर में हाल के दिनों में जितने भी टारगेट किलिंग की घटना सामने आई है, उनमें अधिकांश में हाइब्रिड आतंकवादियों की भूमिका सामने आई है। पुलिस ने कुछ को गिरफ्तार भी किया है, लेकिन इनपर लगाम लगाना स्थानीय प्रशासन के लिए आसान नहीं है। आतंकवादियों को पाकिस्तान से अल्पसंख्यकों, नागरिकों, ऑफ-ड्यूटी पुलिसकर्मियों, पंचायत सदस्यों और भारतीय समर्थक लोगों सहित सॉफ्ट टारगेट को निशाना बनाने के निर्देश मिले हैं, क्योंकि वे सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हमला करने में विफल रहे हैं।

सोनिया गांधी के बाद प्रियंका गांधी वाद्रा भी कोरोना वायरस से संक्रमित

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के बाद पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गयी हैं। प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'जांच में कोविड-19 से संक्रमित होने का पता चला है। संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। सभी दिशानिदेशों का पालन करते हुए मैंने खुद को अपने घर पर ही पृथकवास में कर लिया है।'

प्रियंका गांधी ने कहा, 'मैं उन सभी लोगों से जरूरी सावधानियां बरतने का आग्रह करती हूं जो मेरे संपर्क में आये हैं।' इससे एक दिन पहले ही सोनिया गांधी और के सी वेणुगोपाल के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी सामने आयी थी। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बृहस्पतिवार को कहा था कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, हालांकि वह आठ जून को नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित धनशोधन के आरोपों की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश होंगी।

ज्ञानवापी पर बयान देकर फंसे अखिलेश-ओवैसी, धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का आरोप

14 जून को केस की मांग पर सुनवाई

लखनऊ (एजेंसी)

ज्ञानवापी मामले में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी खतरे में हैं और दोनों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। जिस पर कोर्ट की तरफ से आज फैसला सुनाया जाना था। आज आवेदन पत्र की पोषणीयता पर सुनवाई होनी थी। यानी कोर्ट को ये तय करना था कि मामला सुनवाई के योग्य है या नहीं। लेकिन एसीजेएम की कोर्ट ने मामले की सुनवाऊ के लिए अगली तारीख 14 जून की तय की है।

क्या है पूरा मामला?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी, उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी समेत सात लोगों पर ज्ञानवापी मामले में धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप हैं। मामले में वादी हरिशंकर पांडेय की तरफ से ज्ञानवापी सर्वे में सहायक अजय प्रताप सिंह, धनश्याम मिश्र और साधना मिश्र ने वकालतनामा दाखिल किया है।

वाद दाखिल करने वाले वक्ता हरिशंकर पांडेय ने 30 मई को अदालत में मामले के और साक्ष्य देने की मांग की थी। जिस पर कोर्ट ने 2 जून की तिथि सुनवाई के लिए तय की थी। लेकिन 2 जून को सुनवाई नहीं हो सकी। आज मामला सुनवाई के योग्य है या नहीं कोर्ट की तरफ से ये तय किया जाना था। लेकिन अब अगली डेट 14 जून तय की है। साथ ही, आदेश दिया है कि प्रकरण से संबंधित आवेदन पत्र एसीजेएम उज्ज्वल उपाध्याय की अदालत में दाखिल किया गया था। लिहाजा, सुनवाई की अगली डेट पर वादी एसीजेएम की कोर्ट में ही पेश हों।

केंद्रीय एजेंसियां सिसोदिया पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर सकती है: केजरीवाल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

राष्ट्रीय राजधानी का सियासी पारा बृहस्पतिवार को उस समय चढ़ गया जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियां जल्द ही उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कुछ 'फर्जी मामलों' में गिरफ्तार कर सकती हैं। इसपर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने आरोप लगाया कि वह झूठ बोलकर लोगों की सहानुभूति हासिल करना चाहते हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिल्ली के सभी मंत्रियों को गिरफ्तार कर जांच करानी चाहिए क्योंकि 'एक-एक कर मंत्रियों को गिरफ्तार करने से जनता का कार्य बाधित होता है।'

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने केजरीवाल को इन दावों के लिए आड़ेहाथ लेते हुए कहा कि वह बिजली और पानी की समस्या पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भविष्यवाणी कर रहे हैं। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, 'वह दिल्ली और देश की जनता के सामने झूठ परोस कर उनकी सहानुभूति हासिल करना चाहते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि सहानुभूति हासिल करने का उनका खेल अब खत्म हो गया है।'

केजरीवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मुझे कुछ माह पहले विश्वसनीय सूत्रों से पता चल गया था कि सत्येंद्र जैन को एक फर्जी मामले में गिरफ्तार किया जाने वाला है और अब मुझे उसी सूत्र से पता चला है कि एक अन्य फर्जी मामले में सिसोदिया को भी अगले कुछ दिनों में गिरफ्तार किया जाएगा।' उन्होंने दावा किया, 'केंद्र सिसोदिया के खिलाफ झूठे मामले बना रहा है जैसा कि उसने सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने के लिए किया। केंद्र ने अपनी सभी एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे सिसोदिया को गिरफ्तार करने के लिए फर्जी मामला बनाने हेतु अपने संसाधनों का इस्तेमाल करें।'

उन्होंने सिसोदिया को 'दिल्ली में शिक्षा आंदोलन का जनक' और स्वतंत्र भारत का सर्वश्रेष्ठ शिक्षा मंत्री बताया और कहा कि सिसोदिया दिल्ली के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए उम्मीद की किरण हैं। जैन जिनके पास स्वास्थ्य, ऊर्जा, उद्योग और गृह जैसे कई अहम विभाग थे, को प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, दिल्ली की विधायक आतिशी सहित आम आदमी पार्टी के कई नेताओं ने भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तीन साल पुराने मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है। केजरीवाल ने कहा कि वह जैन की गिरफ्तारी के पीछे की राजनीति को समझ नहीं पा रहे हैं लेकिन संकेत दिया कि भाजपा ने यह कदम हिमाचल प्रदेश में जहां विधानसभा चुनाव होने हैं, उनके प्रचार को रोकने और पंजाब में आप को मिली जीत का 'बदला' लेने के लिए किया है।

केजरीवाल ने कहा, 'कुछ लोग कह रहे हैं कि यह हिमाचल प्रदेश चुनाव की वजह से हो रहा हैं। कुछ का कहना है कि यह पंजाब में हमारी जीत का परिणाम है। हम राजनीति को नहीं समझते। हम उसकी परवाह नहीं करते। हम जेल जाने से नहीं डरते।' उन्होंने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनके मंत्रियों को 'फर्जी' मामलों में कैद कर दिल्ली की स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति को बाधित करना चाहती है। केजरीवाल ने कहा, 'हाथ जोड़कर हमारा प्रधानमंत्री से विनम्र अनुरोध है कि वह हमारी अपील पर विचार करें। माननीय प्रधानमंत्री, हमें एक-एक कर जेल में डालने के बजाय, कृपा कर 'आप' के मंत्रियों और विधायकों को एक बार में ही जेल भेज दें। कृपया अपनी सभी एजेंसियों से कहें कि वे हमारे खिलाफ एक बार में ही सभी जांच करें। एकबार में और सभी प्रकार की जांच करें। इस तरह के आपके हथकंडे जनहित की परियोजनाओं को बाधित करते हैं।'

गुप्ता ने केजरीवाल पर आरोप लगाया कि वह लोगों की सहानुभूति हासिल करने के लिए 'झूठ' के सहारे अपने मंत्रियों को निर्दोष साबित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'केजरीवाल जी आप भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार सत्येंद्र जैन को मसीहा घोषित कर रहे हैं। क्या चार कंपनिया जैन की नहीं हैं? क्या जैन ने अपनी बेनामी संपत्ति और काले धन की जानकारी आयकर विभाग की वर्ष 2016 में लाई गई योजना के तहत नहीं दी थी।'

इससे पहले केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी केजरीवाल पर हमला करते हुए कहा कि वह जैन की गिरफ्तारी पर पूछे गए उनके सवाल से बच रहे हैं। वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एक कथित दस्तावेज दिखाया जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के नेताओं हरीश खुराना एवं नीलकांत बख्शी से उनके द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत के सिलसिले में अतिरिक्त ब्योरा एवं दस्तावेज मांगे थे। इन दोनों भाजपा नेताओं ने शिकायत की थी कि सिसोदिया एवं जैन विद्यालय कक्षाओं एवं भवनों के निर्माण में 2000 करोड़ रुपए के घोटाले में शामिल थे। यह शिकायत नयी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त को दो जुलाई, 2019 को की गयी थी जिसे एसीबी के पास अग्रसारित किया गया था। आतिशी ने कहा, 'यह मामला पिछले तीन सालों से कहां था? इस मामले में कुछ नहीं हुआ क्योंकि सभी एजेंसियां जानती थीं कि इसमें भ्रष्टाचार हुआ ही नहीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी से विवाद के बाद कांग्रेस नेता भरतसिंह का कुछ समय राजनीति से अलग रहने का ऐलान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी ने कुछ समय के लिए राजनीति से अलग रहने का ऐलान किया है। दो दिन पहले अन्य युवती के साथ पकड़े जाने पर भरतसिंह सोलंकी की पत्नी रेशमा पटेल ने काफी हंगामा किया था। इस घटना के बाद आज भरतसिंह सोलंकी ने

पत्रकार परिषद में कुछ समय के लिए राजनीति से ब्रेक लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगामी 6 महीने तक सक्रिय राजनीति से अलग रहूंगा और उसके बाद कोई फैसला करूंगा। हांलाकि उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक कार्य जैसे क्षत्रिय, ठाकोर, ओबीसी, आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यकों के लिए अब तक जो समय दिया है, उसमें आगामी दिनों में ज्यादा समय दूंगा। उत्तर गुजरात और मध्य गुजरात समेत राज्यभर में घूम घूम कर वहां युवा और संगठनों को एकत्र कर एक मजबूत ताकत के तौर पर स्थापित करने का प्रयास करूंगा। सोलंकी ने कहा कि उनके परिवार को वर्षों से गरीब, दलित, आदिवासी और ओबीसी समाज का भरपूर आशीर्वाद मिलता रहा है, जिसे अब तोड़ने और उन्हें बदनाम करने का यह एक राजनीतिक षडयंत्र है। चुनाव से पहले मुझे तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है ताकि अन्य राजनीतिक दल अपनी बढ़त बना सके। कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव आते ही महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, भ्रष्टाचार इत्यादि से लोगों का ध्यान भटकाने की एक राजनीतिक साजिश है। मेरे चरित्र के बारे में मुझे कोई प्रमाण देने की जरूरत नहीं है। मेरे पास सभी प्रमाण हैं, जिसके जरिए मैं स्पष्ट कर सकता हूं। लेकिन यह प्रमाण यहां देने की जरूरत नहीं है, इसे मैं कोर्ट के समक्ष पेश करूंगा। क्योंकि मामले का निपटारा तो आखिर कोर्ट के जरिए ही होना है। सोलंकी ने कहा कि कांग्रेस में शामिल हुआ तब से मेरे 30 साल का सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार समेत अन्य किसी प्रकार के विवाद नहीं हुए। लेकिन चुनाव निकट आते ही इस मुद्दे को तोड़मरोड कर पेश किया जाता है। चुनाव आते ही कभी राम मंदिर के मुद्दे पर तो कभी वायरल वीडियो के जरिए विवाद पैदा किया जाता है। मेरा प्रयास था कि घर की बातें घर तक ही सीमित रहनी चाहिए, परंतु बाहर आ गई और इस बारे में मुझे कोई सफाई नहीं देनी जो भी कहना होगा कोर्ट में कहूंगा। कुछ दिन पहले राम मंदिर की ईंटों को लेकर दिए बयान के सवाल पर सोलंकी ने कहा कि उसे तोड़ मरोड कर पेश किया गया। राम मंदिर निर्माण में सभी की हिस्सेदारी है और उसमें हुए किसी गलत काम पर ऊंगली उठाना मेरा भी अधिकार है। मैं हिन्दू धर्म का सच्चा हिमायती और रक्षक हूं। लेकिन हरेक बात को राजनीतिक रंग देना का प्रयास किया जा रहा है। सोलंकी ने कहा कि मैं ही नहीं देश में ऐसे कई परिवार हैं जिनके वैवाहिक जीवन मुश्किल में है। जब मुझे कोरोना हुआ था तब मेरी पत्नी ने मेरे पिता को फोन कर कहा था कि भरतसिंह अब जीवित नहीं रहेंगे। जब मैं बिस्तर में पड़ा था और वक्त पत्नी ने पूछा कि मेरा क्या होगा? प्रोपर्टी का क्या? सोलंकी ने कहा कि मैं ऑक्सीजन पर था पत्नी मुझसे प्रोपर्टी मांग रही थी। गौरतलब है कि दो दिन पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता भरतसिंह सोलंकी एक युवती के साथ अपने घर में पकड़े गए थे। भरतसिंह को युवती के साथ किसी और ने नहीं बल्कि उनकी पत्नी रेशमा पटेल ने पकड़ा था और काफी हंगामा भी किया था। चुनाव से पहले विवाद का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होना कांग्रेस का मुश्किल बढ़ाने वाला था। कांग्रेस में ही भरतसिंह के कारण पार्टी की फजीहत होने की चर्चा हो रही थी।

लिफ्ट में नाबालिग लड़की के साथ की शारीरिक छेड़छाड़

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के डिंडोली क्षेत्र के पेवेलियन प्लाजा में एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसमें नाबालिग लड़के ने लिफ्ट में एक नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। हांलाकि लिफ्ट का दरवाजा खुलते लड़की भागने में सफल रही। लोगों ने लड़के को पकड़ कर पहले उसकी खातिरदारी की और बाद में पुलिस को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली क्षेत्र स्थित पेवेलियन प्लाजा में एक किशोरी अपने पिता की ऑफीस से लिफ्ट में नीचे आ रही थी। उस वक्त एक नाबालिग लड़के ने लिफ्ट का दरवाजा बंद होते ही किशोरी को अपनी बाहों में जकड़ लिया और

उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लगा। लिफ्ट नीचे पहुंचने के बाद लड़के ने ऊपरी मंजिल के लिए बटन दबा दिया। बटन दबते ही लिफ्ट ऊपर की ओर जाने लगी। उस वक्त किशोरी ने निकट की मंझिल का बटन दबा दिया, जिससे लिफ्ट रूक गई और उसका दरवाजा खुलते ही किशोरी बाहर की ओर भाग निकली। जिसके बाद किशोरी अपने पिता की ऑफीस में पहुंची और लिफ्ट की घटना की शिकायत कर दी। जिसके बाद आसपास के लोगों ने नाबालिग लड़के को दबोच लिया और उसकी खातिरदारी करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

कक्षा 10 में फैल करने की धमकी देकर शिक्षक ने किया छात्रा से दुष्कर्म

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com,www.epaper.krantisamay.com

आणंद,गुरू-शिष्य के पवित्र रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक और घटना सामने आई है। कक्षा 10 की छात्रा को फैल करने की धमकी देकर शिक्षक ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। लगातार यौन शोषण और धमकियों से परेशान छात्रा ने अपने परिवार को बताया और मामला पुलिस थाने पहुंच गया। विद्यानगर पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक आणंद के विद्यानगर में भाईकाका स्टैच्यू निकट स्थित एक स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा को स्कूल के शिक्षक ने अपनी हवस का शिकार बनाया। दर्शन सुथार नामक स्कूल के शिक्षक ने पीड़ित छात्रा को गत 20 मार्च को स्कूल में बुलाया था, जहां कंप्यूटर विषय में फैल करने की धमकी दी। शिक्षक ने छात्रा से कहा कि अगर उसे पास होना है तो वह जैसा कहता है वैसा उसे करना होगा। जिसके बाद शिक्षक ने छात्रा के साथ शारीरिक छेड़छाड़ शुरू कर दी और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध भी बनाए। इतना ही नहीं बाद में छात्रा को शिक्षक अलग अलग स्थानों पर बुलाने लगा और उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। शिक्षक ने छात्रा को धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसके परिवार को जान से मार देगा। लगातार दुष्कर्म और धमकियों से परेशान होकर आखिरकार छात्रा ने अपने परिवार से शिक्षक की करतूतों की शिकायत कर दी। विद्यानगर पुलिस ने छात्रा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया और आरोपी शिक्षक दर्शन सुथार को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

नाबालिग साली से दुष्कर्म के आरोप में बहनोई गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद शहर की सरखेज पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 15 दिनों से अपनी नाबालिग साली के साथ दुष्कर्म कर रहा था। बहन को जब पता चला तो उसने सरखेज पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्यवाही कर आरोपी के खिलाफ पोक्सो के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की। घटना अहमदाबाद के सरखेज की है, जहां छुटपुट

15 दिन से कर रहा था यौन शोषण

मजदूरी करने वाले शख्स ने अपनी सगी साली को हवस का शिकार बनाया। शिकायतकर्ता और पीड़िता चार बहनें हैं। जिसमें सबसे छोटी बहन 17 वर्ष 10 महीने की है। पीड़िता के जीजा ने एकांत का लाभ उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को कुछ न बताने की धमकी दी थी। पिछले 15 दिनों से शख्स सगी साली के साथ दुष्कर्म कर रहा था। बहनोई की हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने आखिरकार अपनी बहन से जीजा की शिकायत कर दी और उसके बाद मामला सरखेज पुलिस थाने पहुंच गया। सरखेज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो के तहत केस दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

कक्षा 12 सामान्य संकाय का आज और 6 जून को कक्षा 10 के नतीजों की घोषणा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्य में शनिवार को कक्षा 12 सामान्य संकाय और 6 जून यानी सोमवार को कक्षा 10 के परिणामों की घोषणा की जाएगी। गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की यह से जानकारी दी गई है। मार्च-अप्रैल 2022 में ली गई कक्षा 12 सामान्य संकाय की परीक्षा के परिणाम 4 जून को और कक्षा 10 के नतीजे 6 जून को गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट www.gseb.org पर जारी किए जाएंगे। विद्यार्थी परीक्षा सीट संख्या बोर्ड की वेबसाइट पर एंटर कर अपना परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थियों की मार्कशीट इत्यादि स्कूलों में भेजे जाने की जानकारी बाद में दी जाएगी। जिसके पश्चात पुनर्मूल्यांकन, नाम में सुधार, ग्रुप सुधार समेत अन्य जानकारियां और निर्धारित परिपत्र, अंकतालिका और प्रमाण पत्र इत्यादि स्कूलों को भेजी जाएंगी।